राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 10 अकं :372 रांची (झारखंड),गुरुवार19 दिसंबर 2024 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

वन नेशन, वन इलेक्शन : संसद में वोटिंग के दौरान तीन केंद्रीय मंत्री समेत बीजेपी के 20 सांसद रहे गैर हाजिर, नोटिस जारी कर मांगा जाएगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। बीजेपी के 20 सांसदों की लोकसभा में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल पर वोटिंग के दौरान अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी द्वारा जारी व्हिप का उल्लंघन इन सांसदों के अनुशासन पर सवाल उठाता है। इस मुद्दे के कई पहलुओं का विश्लेषण जरूरी है।

व्हिप की अनदेखी और पार्टी अनुशासन : बीजेपी ने इस बिल के लिए तीन-लाइन का व्हिप जारी किया था, जो सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए बाध्य करता है। इसके बावजूद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गिरिराज सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित 20 सांसदों की गैरमौजूदगी पार्टी की आंतरिक

अनुशासनहीनता को उजागर करती है। क्या यह लापरवाही है, या इन सांसदों की व्यस्तता का परिणाम? : यदि सांसदों ने अनुपस्थिति के कारण पहले से बताए थे, तो क्या पार्टी इस पर विचार कर रही है? राजनीतिक संकेत और नेतृत्व की प्रतिक्रिया : लोकसभा में महत्वपूर्ण बिल पर वोटिंग के दौरान सांसदों की अनुपस्थिति पार्टी नेतृत्व की मजबूती और सदस्यों के प्रति नियंत्रण को दर्शाती है। बीजेपी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करना पार्टी की अनुशासन बहाली का संकेत है। इसका असर आगामी संसदीय रणनीतियों और पार्टी की छवि पर पड़ेगा।

विपक्ष का विरोध और राजनीतिक रणनीतिः 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल पर विपक्ष ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ होने का आरोप लगाया।269 वोटों से पारित इस बिल के खिलाफ 198 सांसदों ने मतदान किया, जो विपक्ष की सशक्तता का संकेत है। विपक्ष के हंगामे के बावजूद बीजेपी बहुमत से इस बिल को पारित करवाने में सफल रही। मीडिया और जनधारणा का प्रभावः मीडिया और जनता की नजर में सांसदों की अनुपस्थिति को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। क्या यह एक सामान्य प्रशासनिक चूक है, या इसके पीछे कुछ राजनीतिक संदेश छुपे हैं? इससे पार्टी और जनता के बीच संवाद पर क्या प्रभाव पड़ेगा? 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल का महत्व : यह बिल देश में चुनावी खर्च और समय बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लागू करने में कई संवैधानिक और प्रासंगिक चुनौतियां हैं। बिल पर हुई वोटिंग में समर्थन और विरोध के आंकड़े संसद में दलों की राय को विभाजित दिखाते हैं।

दिल्ली की आबोहवा फिर बेहद खराब, एक्यूआई 440 पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली ।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर प्रदूषण गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। इसके साथ कोहरे ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। आज सुबह औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 440 दर्ज किया गया। कुछ स्थानों पर एक्यूआई 450 के पार पहुंच गया है। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी के साथ आंखों में जलन महसूस होने लगी है। गले में भी खराश की शिकायत हो रही ही। उधर, मौसम विज्ञान विभाग की ओर से अगले तीन दिन के लिए दिल्ली-एनसीआर में कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 379 दर्ज किया गया। यह बढ़कर 433 पहुंच गया। प्रदूषण की गंभीर होती स्थिति को देखते हुए सीएक्यूएम ने सोमवार को ग्रेप-तीन की बंदिशें लागू कर दी थीं। उसके बाद देररात ग्रेप चार की भी पाबंदियां लागू की गईं।

इसके तहत दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों पर निगरानी बढ़ा दी गई। इसके अलावा ग्रेप 4 के तहत दिल्ली एनसीआर में 9वीं तक और 11वीं क्लास भी अब हाईब्रिड मोड में चलेगी। यानी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में स्कूल चलेंगे। सिर्फ दसवीं और 12वीं क्लास का फैसला स्कूल ले सकता है। ग्रेप 3 में पहले से ही पांचवीं क्लास तक हाइब्रिड मोड लागू किया गया था। दिल्ली के प्रमुख इलाकों में एक्यूआई का स्तर चिंताजनक रहा। आनंद विहार में यह 481, अशोक विहार में 461, लोधी रोड पर 417, नई दिल्ली में 453, बुराड़ी क्रॉसिंग में 483 रहा । अलीपुर में 443, जहांगीरपुरी में 469 और मुंडका में 473 एक्यूआई दर्ज किया गया। एनसीआर के पड़ोसी क्षेत्रों में भी खराब वायु गुणवत्ता का सामना करना पड़ा, हरियाणा के फरीदाबाद में एक्यूआई का स्तर 263, गुरुग्राम में 392 और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 390, ग्रेटर नोएडा में 330 और नोएडा में 364 रहा। उल्लेखनीय है कि 0-50 के बीच एक्यूआई अच्छा माना जाता है, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बहुत खराब और 401-500 गंभीर होता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मन से लागू करें- राज्यपाल

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मन से लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह नीति ऐसी है, जिससे भारत आने वाले समय में वैश्विक ज्ञान में महाशक्ति बन सकेगा। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति नैतिक मूल्यों से मनुष्य को जोड़ने वाली है। इससे देश के लोग सुनागरिक बनने की राह पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप में लागू करने और शिक्षकों को इसमें अपना महती भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बागडे बुधवार को राजस्थान विश्वविद्यालय, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा विभाग और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन ही

नहीं है, यह व्यक्ति को मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत करने का मार्ग है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चर्चा करते हुए कहा कि वह सदा व्यक्ति नहीं समग्र पर जोर देते थे। नई शिक्षा नीति इसी दृष्टिकोण से जुड़ी है। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में मानव मूल्यों को ही प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षक नए से नए ज्ञान से अपने को जोड़े रखेगा तभी विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता का निर्माण कर पाएगा। उन्होंने शिक्षकों को मन से विद्यार्थियों को पढ़ाई कराने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि मैकाले ने भारतीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से पश्चिमीकरण करने का प्रयास किया। देश में शिक्षा आयोग और नीतियां बनी परंतु हम पश्चिम की सोच से मुक्त नहीं हुए। शिक्षा में मातृ भाषा और जीवन व्यवहार की शिक्षा जरूरी है। नई शिक्षा नीति इसी से जुड़ी है। इसलिए इसे व्यवहार में लागू करने के लिए सभी प्रयास करें। राज्यपाल ने कहा कि भारत ज्ञान विज्ञान में आरंभ से ही समृद्ध रहा है।

बिहार में हाजीपुर के बाद एनआईए का मुजफ्फरपुर छापा

पटना। बिहार में हाजीपुर के बाद अब एनआईए की टीम ने मुजफ्फरपुर में छापा मारा है। कुढनी प्रखंड के मलकौनी गांव में सुबह एनआईए की टीम पहुंची और मुखिया नंदकुमार राय उर्फ भोला राय के आवास पर छापा मारा। सुबह पांच बजे से यह कार्रवाई चल रही है। टीम मुखिया भोला राय के घर का चप्पा-चप्पा खंगाल रही है। इस दौरान कैश और अन्य संदिग्ध चीजों के बरामद होने की सूचना है। पूर्व में मुखिया का बेटा एके-47 की बरामदगी पर जेल जा चुका है। एनआईए और पुलिस अधिकारी विवरण बताने से परहेज कर रहे हैं। इससे पहले 13 दिसंबर को एनआईए ने सीतामढ़ी के बाजपट्टी में एक मुर्गा बेचने वाले दुकानदार अब्दुल अलीम के घर छापा मारा था।

अमित शाह को देश से माफी मांगनी चाहिए,उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री के भाषण पर राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ÷...उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान किया है। मनुस्मृति और RSS की उनकी विचारधारा यह स्पष्ट करती है कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान का सम्मान नहीं करना चाहते हैं। हम इसकी निंदा करते हैं और उनके इस्तीफे की मांग करते हैं। उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए...उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण में अंबेडकर जी के बारे में हमारी

श्रद्धा का भाव स्पष्ट रूप से प्रकट किया था। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे कांग्रेस ने अंबेडकर जी का अपमान किया जब वह जीवित थे...कांग्रेस पार्टी ने उन्हें इतने सालों तक भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया और इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब का अपमान किया और 1952 में एक चुनाव में साजिश के तहत उन्हें हरा दिया..मैं बौद्ध हूं और बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलने वाला व्यक्ति हूं। इस देश में बाबा साहब ने 1951 में कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। 71 साल बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने एक बौद्ध (यानी मुझे) को देश का कानून मंत्री बनाया केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर राज्यसभा में आयोजित चर्चा के दौरान विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधनों से पार्टियों के कैरेक्टर के बारे में पता चलता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि आज हम जिस मुकाम पर खड़े हैं, उस मुकाम पर महर्षि अरविंद और स्वामी विवेकानंद की वो भविष्यवाणी सच होती दिखाई पड़ती है कि भारत माता अपनी देदीप्यमान ओजस्वी स्वरूप में जब खड़ी होंगी।

केजरीवाल के राज में दिल्ली बेहाल, विधायक और माफ़िया मालामालः अनुराग ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शाहपुर जट में नुक्कड़ सभा और मालवीय नगर में त्रिदेव सम्मेलन कर दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के ईमानदारी के दावे कोरे हैं एवं इनकी पूरी पार्टी कट्टर भ्रष्टाचारी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आम आदमी पार्टी के 10 सालों के राज में दिल्ली पूरी तरह बेहाल हो गई है। अरविंद केजरीवाल के राज में दिल्ली में इनके विधायक और माफिया मालामाल हुए हैं। आज दिल्ली के कई इलाक़ों में पानी की भयंकर कमी है। लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं और टैंकर माफिया के हौसले बुलंद

हैं। बिजली के बिलों में भयंकर अनियमितता है और लोगों को बढ़े हुए बिल भेजे जा रहे हैं। सरकारें शिक्षा सुलभ करती हैं मगर आम आदमी पार्टी ने युवाओं के भविष्य को अंधकारमय करने के लिए गली गली ठेके खुलवा दिए। इनका शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली सब मॉडल फेल है बस शीशमहल ही इनके बेशर्मी की एक जीवंत तस्वीर है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राजनीति में आने से पहले अरविंद केजरीवाल कहते थे कि भ्रष्टाचार खत्म करने आ रहे हैं। आज खुद भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हुए हैं। कहते थे इस कुर्सी में ही खोट है जो बैठता है भ्रष्टाचारी हो जाता है। आज स्वयं अपनी बात को चरितार्थ कर रहे हैं। केजरीवाल ने दिल्ली की क्या हालत कर दी, दिल्ली को झीलों का शहर बनाने का वादा किया था। देश की राजधानी में बेसमेंट में डूबकर छात्रों की मौत हो गई। क्या यही है अरविंद केजरीवाल का शासन मॉडल? अरविंद केजरीवाल बताएं कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में दिल्ली के मंदिरों, पुजारियों और संतों के लिए क्या किया है? मस्जिदों के मौलवियों और इमामों को दिल्ली सरकार की ओर से जनता का पैसा क्यों दिया जाता था? आखिर मंदिरों के साथ 10 वर्षों तक ऐसा भेदभाव क्यों किया गया? जिस व्यक्ति ने अपनी बेटियों की झूठी कसम खाई कि मैं राजनीति में नहीं आऊंगा। राजनीति में आए तो कहा कि बड़ी गाड़ी, बड़ा बंगला नहीं लूंगा। पंजाब और दिल्ली दोनों की सिक्योरिटी ले ली। शीशमहल ऐसा बनाया कि आप देख लेंगे तो करोड़पति लोगों का मकान उसके आगे छोटा दिखेगा।

यूपी विधानसभा घेराव को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव की चुटकी, कहा- कांग्रेस और सपा बंटे नजर आ रहे हैं

एजेंसी

लखनऊ । यूपी कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा में फूट हो चुकी है। संभल मामले में भी दो धाराओं में सपा और कांग्रेस बंटे नजर आ रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को विधानसभा सत्र में भाग लेने से पहले पत्रकारों से कहा कि सपा कह रही है कि लोकसभा चुनाव में जीत उनके कारण मिली है। वहीं कांग्रेस का कहना वह उनके कारण जीते हैं। दोनों अपने अपने महत्व को दर्शाना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस मुक्त उत्तर प्रदेश और समाजवादी पार्टी का समाप्तवादी होना तय हैं। इसलिए 2027 में 2017 की तरह ही भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। यह प्रदर्शन खोखला

है। न इनके पास कोई नेता है न ही नीति है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और मांग की है संभल घटना के दौरान जो उनके ऊपर एफआईआर है, उसे हटाया जाए क्योंकि वह घटना के दौरान मौजूद नहीं थे इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है। इस पर कोई टिप्पणी नहीं है। लेकिन तथ्य इस प्रकार मिले हैं कि सपा सांसद और विधायक और सपा के दंगाई कार्यकर्ता संभल मामले में दोषी हैं तो जांच के अनुसार उन पर कठोर कार्रवाई होगी। उधर, कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमें अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार है। प्रदर्शन में सपा के साथ होने की बात पर उन्होंने कहा इस बारे में हमसे मत पूछें।

कुपवाड़ा में आतंकी ठिकाने से हथियार और चार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान में एक आतंकी ठिकाने से हथियार और नशीला पदार्थ बरामद किया गया है। खुफिया सूचना पर की गई कार्रवाई में यह सफलता मिली है।एक अधिकारी ने बताया कि 17 दिसंबर की देरशाम आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए कुपवाड़ा के तंगधार सेक्टर में तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान इस सेक्टर के अमरोही में एक आतंकी ठिकाने से चार पिस्तौल, छह मैगजीन और लगभग चार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया।

गरियाबंद के मैनपुर में शराब घोटाले के आरोपित अनवर ढेबर के रिश्तेदार और रायपुर में चावल कारोबारी के घर ईडी का छापा

एजेंसी

गरियाबंद /रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मैनपुर में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के अधिकारियों की टीम ने आज सुबह शराब घोटाले के आरोपित अनवर ढेबर के रिश्तेदार कारोबारी इकबाल मेमन के घर पर छापा मारा है। ईडी की एक अन्य टीम ने मौहदापारा में चावल कारोबारी रफीक मेमन के घर भी दबिश दी है। गरियाबंद जिले के मैनपुर में ईडी की टीम आज सुबह 6 बजे 10 से ज्यादा गाड़ियों में कारोबारी इकबाल मेमन के घर पहुंची। टीम घर में प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई पिछले दो सालों में दो करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति खरीदने को लेकर की जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले जाड़ापदर में बनाए गए राइस मिल को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताया था। यह मिल इकबाल के बेटे गुलाम द्वारा बनाया जा रहा था। विवाद बढ़ने के पर ग्रामीणों ने ईडी के पास पहुंचकर एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप था कि बेरोजगार गुलाम मेमन द्वारा पिछले एक डेढ़ साल में मैनपुर में दो करोड़ से ज्यादा की संपति की खरीद की गई है।राजधानी रायपुर में चावल कारोबारी रफीक मेमन के घर जांच एजेंसी ईडी ने दबिश दी है। रायपुर के मौदहापारा निवास स्थान पर सुबह-सुबह टीम ने छापा मारा है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले जाड़ापदर में बनाए गए राइस मिल को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताया था। यह मिल इकबाल के बेटे गुलाम द्वारा बनाया जा रहा था।

कठुआ में आग लगने से घर बना गैस चैंबर, छह की दम घुटने से मौत

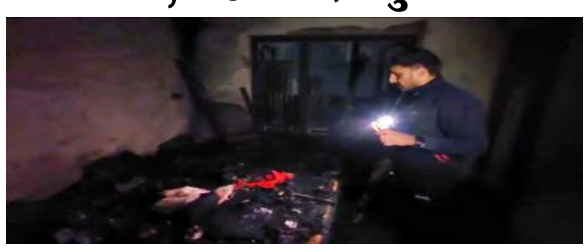

एजेंसी

जम्मू। जिला मुख्यालय कठुआ के वार्ड नंबर 19 के शिवानगर में देररात एक घर में आग लग गई। घर के भीतर नौ लोग सो रहे थे। इनमें से 6 की दम घुटने से मौत हो गई। तीन बेसुध हैं। मदद के लिए पहुंचा एक अन्य पड़ोसी भी बेसुध है। चारों को जीएमसी कठुआ में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।मृतकों की पहचान गंगा भगत (17) पुत्री भारत भूषण निवासी शहीदी चौक कठुआ, दानिश भगत (15) पुत्र भरत भूषण निवासी शहीदी चौक कठुआ, अवतार कृष्ण (81) पुत्र केशव रैना निवासी वार्ड नंबर 16 शिव नगर कठुआ, बरखा रैना (25) पुत्री अवतार कृष्ण निवासी शिव नगर कठुआ, तकाश रैना (3) पुत्र अवतार कृष्ण निवासी शिव नगर कठुआ, अदविक रैना (04) पुत्र संदीप कौल निवासी जगती नगरोटा जम्मू के रूप में हुई है। अस्पताल में भर्ती कराए गए लोगों में स्वर्णा (61) पत्नी अवतार कृष्ण निवासी शिव नगर कठुआ, नीतू देवी (40) पत्नी भरत बुशन निवासी शहीदी चौक कठुआ, अरुण कुमार (15) पुत्र सैन चंद निवासी बटोटे रामबन व केवल कृष्ण (69) पुत्र मनसा राम निवासी शिव नगर कठुआ हैं।

पीएमएवाई-जी योजना के तहत बने 2.68 करोड़ घरों में से 73 प्रतिशत महिलाओं के नामः केंद्रीय मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली ।प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत इस साल 13 दिसंबर तक 2.68 करोड़ घर बनकर तैयार हो चुके हैं, जिनमें से 72.66 लाख घर पूरी तरह महिलाओं के नाम पर हैं और 1.22 करोड़ घर पत्नी और पति के नाम पर हैं। लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, पीएमएवाई-जी के तहत महिलाओं के स्वामित्व वाले घरों की कुल संख्या 1.95 करोड़ हो गई है, जो कि पूरे हो चुके घरों का 73 प्रतिशत है।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने निचले सदन में एक लिखित जवाब में कहा कि पीएमएवाई-जी दिशा-निर्देश महिलाओं के नाम पर या उनके पति के साथ मिलकर घर को मंजूरी देने का प्रावधान करते हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण को सुनिश्चित करने के लिए, एक परामर्श जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि पीएमएवाई-जी के तहत सभी घरों में स्वामित्व के लिए स्वीकृत की गई डिटेल्स (अकेले या संयुक्त

स्वामित्व में) में परिवार की महिला सदस्यों के नाम शामिल होने चाहिए। इसी के साथ महिला सदस्य को स्वीकृति पत्रों में सेकंडरी ओनर के रूप में जोड़ा जा सकता है, जहां प्रारंभिक स्वीकृति पहले से ही पुरुष सदस्य के नाम पर दी गई है। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी के लिए आवास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ग्रामीण विकास मंत्रालय 1 अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) लागू की है। इस योजना का उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को सहायता प्रदान करना है, जिसका लक्ष्य मार्च 2029 तक बुनियादी सुविधाओं के साथ 4.95 करोड़ पक्के घरों का निर्माण करना है। केंद्रीय मंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 3.33 करोड़ घरों का आवंटन किया गया है, जिनमें से 3.22 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है और 2.68 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके अलावा, पीएमएवाई-जी की महिला लाभार्थी आजीविका और रोजगार के अवसरों के लिए स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि डीएवाई-एनआरएलएम योजना स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में सहायता करती है।

शीतलहर का अलर्ट : हरियाणा में ठंड, कोहरा और प्रदूषण का तिहरा हमला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा इन दिनों कड़ाके की ठंड, घने कोहरे और वायु प्रदूषण के जानलेवा असर से जूझ रहा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के दस जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है, वहीं वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।

पिछले 24 घंटे में हिसार का न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे ठंडा दिन रहा। सिरसा में भी कड़ाके की ठंड महसूस की गई, जहां तापमान गिरकर 2.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। करनाल में रात का न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा,

जबकि रोहतक और भिवानी में क्रमशः 5.6 और 5.7 डिग्री तापमान के साथ ठंडी रातें गुजरीं। गुरुग्राम, कुरुक्षेत्र और अंबाला जैसे शहरों में तापमान थोड़ा बेहतर रहा, लेकिन ठंड का असर हर जगह महसूस किया गया। अंबाला में अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक था।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 21 दिसंबर तक हरियाणा के कई हिस्सों में शीतलहर का असर रहेगा। इसके साथ ही अगले तीन दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि इसके बाद न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।इसके अलावा घने कोहरे के कारण दृश्यता में भारी गिरावट आने की आशंका है। खासकर सुबह और देर रात को यात्रा करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हरियाणा में ठंड और कोहरे के साथ वायु प्रदूषण ने हालात खराब कर दिए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार 18 दिसंबर को सुबह 8 बजे तक गुरुग्राम का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 390 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। कैथल (308), रोहतक (311) और सोनीपत (305) भी सबसे प्रदूषित जिलों में शामिल रहे।

कांग्रेस के विधानसभा घेराव ऐलान के बाद पुलिस ने चौकसी बढ़ाई, अजय राय ने कहा- हम पीछे नहीं हटेंगे

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस ने विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। प्रदर्शन की घोषणा को देखते हुए कांग्रेस नेताओं के घरों पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। साथ ही पहले से नोटिस भेजकर नेताओं को अलर्ट किया है। लखनऊ में विधानसभा घेराव के लिए कांग्रेसी नेहरू भवन पहुंच गए हैं। एकजुट कांग्रेसी विधानसभा का घेराव करेंगे। उधर, पुलिस ने विधानसभा के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा घेराव को लेकर कमर कस ली है। उनका कहना है कि सरकार की जनविरोधी नीतियों और महंगाई जैसे मुद्दों पर आवाज उठाना उनका अधिकार है। वहीं, प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रदर्शन के ऐलान के चलते सुरक्षा के इंतजामों को कड़ा किया गया है। सड़कों पर बैरिकेडिंग के लिए बल्लियां लगाई गई हैं। प्रमुख सुरक्षा इंतजाम में कांग्रेस दफ्तर के बाहर रात से ही भारी पुलिस बल तैनात है। कांग्रेस दफ्तर जाने वाले मार्गों पर नाकाबंदी कर दी गई है। जिला प्रशासन प्रदर्शन को लेकर खास सतर्कता बरत रहा है। उधर पुलिस की ओर से भेजे नोटिस में कहा गया है कि विधानसभा का तृतीय सत्र चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

स्पोर्ट्सविटा -24: तीसरे दिन की खेल प्रतियोगिताओं में जोश और जुनून की जीत

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ दिल्ली पब्लिक स्कूल में चल रहे वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ₹स्पोर्टसोविटा -24₹ में तीसरे दिन कक्षा नर्सरी से दसवीं तक के बच्चों ने भाग लिया।एक तरफ जहाँ प्राथमिक कक्षा के विद्यथीयों का डक रेस, फ्रॉग रेस, बिस्किस्ट रेस, 50मी,100 मी रेस, रेडी टू स्कूल, ऑन द कोन आदि खेलो में डंका बजाया। वहीं दूसरी तरफ उच्च प्राथमिक और माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों ने व -14 वर्ग (बालक एवम् बालिका) बैडमिंटन, 100 मी. 200मी रेस, आदि में जोश एवम् जुनून के साथ सेमी फाइनल में जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह बनाई। ₹स्पोर्ट्सोविटा -24 खेल सप्ताह के दौरान डी.पी.एस के चारों सदनों (डिस्कवरी हाउस, चैलेंजर हाउस, कैलीवर हाउस,एडवेंचर हाउस) के मध्य होने वाले अंतर सदनीय खेलों में भी बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा है। खेल के तीसरे दिन हुए अंतर सदनीय कबड्डी प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग राउंड में ऊर्जा से भरपूर सभी प्रतिभागियों का उत्साह चरम पर था। सभी प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार एवम् प्रधानाचार्य जे.के. शर्मा कोर मेंबर नेहा चक्रवर्ती के साथ-साथ हाउस इंचार्ज तथा अन्य शिक्षकगण खेल का आनंद लेते हुए अपने अपने सदन का उत्साह वर्धन करते दिखे। खेल के चौथे दिन होने वाले अंतर सदनीय कब्बड्डी, खो खो, वाली बॉल, शॉर्ट पुट, जैवलिन थ्रू एवम् शतरंज के सेमी फाइनल खेलों के लिए बच्चे आज से काफी उत्साहित होकर अपने सदन को जीत दिलाने हेतु अभ्यास करते हुए देखे गए।

तिलक सेवा समिति ने देवघर विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक सुरेश पासवान का किया स्वागत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज तिलक सेवा समिति देवघर की ओर से देवघर विधान सभा से नव निर्वाचित विधायक सुरेश पासवान को अंगवस्त्र फूल माला प्रशस्ति पत्र प्रदान कर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया जिस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि आज से समिति को किसी प्रकार के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा समिति कि कार्य सराहनीय है केंद्रीय अध्यक्ष हरे कृष्ण राय ने कहा कि सुरेश पासवान एक समाज सेवी ही नहीं समिति के संरक्षक भी है समिति उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना करती है समिति के मुख्य संरक्षक प्रो रामनंदन सिंह ने कहा कि सरकार इनको मंत्री बनाने पर पुनर्विचार करें समिति के महासचिव बिपुल कुमार मिश्रा ने नवनिर्वाचित विधायक का भूरी भूरी प्रशंसा किया समिति के कोष अध्यक्ष राजेश कुमार शाही ने भी अपनी अंदाज में सभा को संबोधित किया समिति के मुन्ना बाजपेई ने बताया कि भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग विधायक से किया मौके पर समिति के महासची डॉक विक्रम कुमार समिति के पदाधिकारी वशिष्ठ राणा के साथ साथ काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

प्रधानाध्यापक को शराब के नशे मे किया गिरफ्तार

भागलपुर/निबराज आलम

भागलपुर/ अमडंडा थाना पुलिस ने एक सरकारी शिक्षक को शराब के नशे में गिरफ्तार किया । थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि बुधवार की देर शाम प्राथमिक विद्यालय काझा के प्राध्यापक मनोहर हरिजन को शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया। इस दौरान मुंह से शराब की बदबू आने पर ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। जिसमें काफी मात्रा में शराब पीने की पुष्टि हुई। जिसके बाद थाना लाकर उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज आगे कीकार्रवाई की जा रही है।

मारवाड़ी महिला समिति हीरक शाखा ने कराई सामूहिक विवाह

धनबाद अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति हीरक शाखा की ओर से 10 बच्चे बच्चियों की कराई गई शादी हर साल की भांति इस साल भी मारवाड़ी महिला समिति हीरक शाखा की ओर से गरीब बच्चे बच्चियों की सामूहिक विवाह कराया गया इसी दौरान सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे बताते चलें यह आयोजन 3 वर्षों से होता आ रहा है महिला बैंक की सचिव ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा के गांव ग्रामीण में जाकर गरीब बच्चे बच्चियों को चिन्हित कर समिति की ओर से उनके माता-पिता से बात कर उनकी शादी करने का निर्णय समिति ने लिया है यह एक अच्छी पहल है जिससे के समाज के भीतर शादी को लेकर लोगों में जागरूक हो सके वही महिला विंग की सचिव कहती है कि शादी के साथ-साथ घर के सारे सामान कपड़े पलंग हरिया बर्तन आदि समिति की ओर से दिया गया है जिसके अपना वैवाहिक जीवन को शुरू करने में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाइयों का सामना न करना पड़े

वृद्ध आश्रम पर बुजुर्गों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सदर के सोनाजोड़ी में स्थित वृद्धाश्रम में मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह ने पहुंच कर वृद्ध आश्रम में रह रहे वृद्ध जनों का हाल-चाल पूछते हुए उनके बात को सुना। इस क्रम में सभी वृद्धों के बीच फल बांटा गया। साफ सफाई, पानी, बिजली समेत रह रहे वृद्ध के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान मेडिकल कैंप लगवा गया जिसमें सभी वृद्ध जनों का बीपी शुगर समेत अन्य स्वास्थ्य की जांच उपस्थित डॉ से कराई गई। स्वास्थ्य जांच में वृद्ध जनों के बीच दवा का वितरण किया गया। जांच के दौरान वृद्ध आश्रम में खिड़की के शीशे टूटा मिला। इस पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह ने मरम्मती को लेकर सचिव अजय कुमार गुड़िया को दुरुस्त करवाने के लिए अग्रसर करवाई का आवश्यक दिशा निर्देश दी गई। साथ ही वृद्ध आश्रम में रह रहे वृद्ध जनों को किसी प्रकार के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी ना हो इसके लिए अटल क्लिनिक खुलवाने का बात कही गई । मेडिकल के टीम को भी सप्ताह में एक बार स्वास्थ जांच को लेकर कैंप लगाने की निर्देश दी गई। मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव अजय कुमार गुड़िया, वृद्ध आश्रम के संचालक विनोद प्रमाणिक, कर्मी मो मंगरू अंसारी, डीएलएसए के कर्मी , पैरा लीगल वॉलिंटियर्स उत्पल मंडल, नीरज कुमार राउत समेत वृद्ध जन उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकताओं ने हेमंत सोरेन का काला पट्टी लगाकर पुतला दहन किया

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ः खररउ कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं छात्रों को पुलिस के द्वारा बर्बरता पूर्वक पीटे जाने के विरोध में आज भाजयुमो के नेतृत्व में पाकुड़ के गांधी चौक में मंगलवार को हेमंत सोरेन सरकार का काला पट्टी लगाकर सरकार का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि खररउ-उत्र्छ परीक्षा में गड़बड़ी का विरोध करने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना अमानवीय और निंदनीय है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध का समाधान निकालने की बजाय लाठी और हिंसा के सहारे दमन करने की यह कोशिश संवेदनहीनता को उजागर करता है। यह लाठी केवल छात्रों पर नहीं चली है, बल्कि सरकार से न्याय की उम्मीद पर भी प्रहार है। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी यह मांग करती है कि अपनी हठधर्मिता और अहंकार त्याग कर आंदोलन करने वाले गरीब, मेहनती छात्रों की मांग पर संवेदनापूर्वक विचार करिए। उत्र्छ परीक्षा को अपनी नाक, अपनी प्रतिष्ठा का मुद्दा मत बनाइए। छात्रहित में सीबीआई जांच की सिफारिश कर गतिरोध समाप्त करिए। इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, पूर्व जिला अध्यक्ष विवेकानंद तिवारी नगर अध्यक्ष सोहन मंडल,पूर्व जिला मंत्री पार्वती देवी, पवन भगत दुलाल कुमार सिंह, बाबू पहाड़िया, राज पहाड़िया , सूरज भगत, विवेक सरदार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

संसद के अंदर संविधान को लिखने वाले बाबा साहेब आंबेडकर का मजाक उड़ाने वाले गृहमंत्री अमित शाह को प्रधानमंत्री बर्खास्त करे और मुकदमा दायर करे- मनोवर आलम

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःबाबा साहब का नही पूरे देश संविधान लोकतंत्र का अपमान कर रही है बीजेपी दलितों से बीजेपी को है नफरत मनोवर आलम कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष हिरणपुर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा मंगलवार को संसद के अंदर गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह के बयान दिया है वो उनका परवरिस दलितों के प्रति सोच संविधान से नफरत दिखा रहा है असल में संघ ने हमेशा संविधान से इतर काम किया है बाबा साहेब के लिखे संविधान से नफरत नही है बीजेपी को बल्कि बाबा साहब दलित थे दलित के हाथ से लिखे संविधान से नफरत है बीजेपी हमेशा से अपने संविधान विरोधी नीति को समय समय पर दशार्ते रहा है जिस संविधान के वजह से अमित शाह बोल रहे थे संसद के अंदर उसी संविधान के निमार्ता को अपमान किया है और बीजेपी की खामोशी बता रहा है की बीजेपी के सहमति से बोला गया है अगर मोदी जी नड्डा जी और बीजेपी संविधान को मानती है तो अमित शाह का इस्तफा ले या बर्खास्त करे मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदया से मांग करता हूं की अमित शाह को आजीवन चुनाव लडने पर रोक लगाए हम सबके लिए पहले देश है फिर धर्म है लेकिन अमित शाह का बयान से लगता है की उनके बीजेपी के लिए पहले धर्म फिर देश है बाबा साहेब भगवान ही थे है और रहेंगे इस लोकतंत्र के अमित शाह जी इस बात को समझिए दलितों से नफरत करना बंद कीजिए नही तो जिस संविधान की वजह से आप सत्ता में है उसी संविधान के नियम से आपको बाहर फेक देगी जनता लोकतंत्र में भाषा की मयार्दा होती है लेकिन आपने जिस भाषा का प्रयोग किया उसे कभी स्वीकार नहीं सकते आखिर बाबा साहेब के नाम से चीड़ कियू है बीजेपी को दलितों को समान अधिकार मिला इस लिए या दलितों को जीने का बोलने का आजादी मिला इस लिए दलित भी इस देश के अभिन्न अंग है इस सच्चाई को जितना जल्दी स्वीकार ले उतना बेहतर होगा.

धनबाद में डीजीपी के निर्देश पर जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन

धनबाद जिले के पांच स्थानों पर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाघमारा अनुमंडल अंतर्गत कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला में समाधान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें सिटी एसपी अजीत कुमार और बाघमारा पुलिस उपाधीक्षक पुरुषोत्तम सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मीडिया से बातचीत में सिटी एसपी अजीत कुमार ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने कहा कि शिविर में खासकर साइबर अपराध से जुड़ी कई शिकायतें आ रही हैं। लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वे अज्ञात नंबरों से आई कॉल या संदेशों पर प्रतिक्रिया न दें। जमीन विवाद से जुड़ी समस्याओं को संबंधित विभाग को भेजा जा रहा है। डीजीपी के निर्देश पर राज्य के सभी 24 जिलों में इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को काफी लाभ हो रहा है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस पहल से पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से जनता को त्वरित न्याय और प्रशासनिक सहयोग मिल रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे और पुलिस द्वारा उन्हें तुरंत समाधान का भरोसा दिलाया गया।

प्रिया ऑटो में पॉलिसी बाजार इंश्योरेंस कंपनी का हुआ उद्घाटन

झरिया : भागा स्थित प्रिया ऑटो में बुधवार को पॉलिसी बाजार इंश्योरेंस कंपनी का उद्घाटन पॉलिसी बाजार के ईस्ट जॉन के जोनल मैनेजर सैफुल्ला नवाज और वैकेल केयर के मुकुंद कुमार और प्रिय ऑटो के प्रबंधन प्रमोद कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। इस मौके पर श्री नवाज ने बताया कि पॉलिसी बाजार बहुत अच्छी इंश्योरेंस कंपनी है। आज लोगों को अच्छे झुकाव पॉलिसी बाजार की ओर हो रही है और आज धनबाद जिले में प्रिय ऑटो में ये सुविधा उपलब्ध की जा रही है, जहां पर लोग सीधा सुविधा लोगों को मिल सके। इस मौके पर प्रबंधन प्रमोद ने बताया कि हमारा प्रिया ऑटो लगभग 20 वर्षों से वाहन मालिकों को अच्छी सुविधा प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में आज पॉलिसी बाजार की सुविधा लोगों को मिल सके इसकी शुरूआत आज से की जा रही है। इस मौके पर विक्की झा, दशरथ कुमार भी मौजूद थे।

दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण आर मित्रा उत्कृष्ट विद्यालय में संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड शिक्षा परियोजना देवघर के द्वारा उत्कृष्ट एवं आदर्श विद्यालय के प्रबंधन समिति सदस्यों का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण आर. मित्रा उत्कृष्ट विद्यालय , देवघर के सभागार में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का विधिवत आरंभ ए पी ओ रानू बॉस डीजीसीआभा मंडल एवं डायट संकाय सदस्य डॉ.परशुराम तिवारी ,डॉ.इति कुमारी एवं अनुभूति , जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों के सचिव एवं अध्यक्ष के संयुक्त करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रथम सत्र में मास्टर ट्रेनर डॉक्टर परशुराम तिवारी द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति के कार्य, गठन तथा दायित्वों की विधिवत चर्चा की गई ,इसमें बताया गया कि उच्चतर विद्यालय में प्रबंधन समिति सदस्यों की कुल संख्या 19 एवं प्राथमिक विद्यालय में प्रबंधन समिति की संख्या 16 होनी चाहिए इसमें यह भी सुनिश्चित होना चाहिए। यदि कोई सदस्य तीन दिन बैठक में अनुपस्थित रहता हो तो किसी नए सदस्य का चुनाव किया जाना चाहिए ।साथ ही प्रबंधन समिति में 50% संख्या बल महिलाओं का होना चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मेरा विद्यालय मेरा अभियान संकाय सदस्य अनुभूति कुमारी द्वारा लिया गया। उन्होंने बताया कि विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियां उस विद्यालय के प्रणभूत होते हैं। समय-समय पर समिति सदस्यों के सहयोग से इसे और भी जीवंत बनाए जाना चाहिए। इसी प्रकार जिले के महत्वपूर्ण शैक्षिक योजना प्रोजेक्ट रेल पर चर्चा करते हुए मास्टर ट्रेनर डॉ.इति कुमारी ने परीक्षा की समुचित क्रियान्वयन को लेकर बताया कि परीक्षा में बच्चों की सत प्रतिशत उपस्थित होनी चाहिए। बच्चों की कॉपियों का मूल्यांकन एवं समुचित संधारण । साथ ही परीक्षा परिणाम को नोटिस बोर्ड में प्रदर्शित करना तथा प्रथम तीन स्थान आए छात्रों को प्रार्थना सभा में पुरस्कृत किया जाना आवश्यक है ।इसी प्रकार जामताड़ा एवं देवघर के संयुक्त स्वास्थ्य और कल्याण रलहढ कार्यक्रम के ़3 जिला प्रतिनिधि उज्जवल पाठक ने 16 मॉड्यूल पर चर्चा करते हुए झारखंड राज्य के परिपेक्ष में व्याप्त दहेज प्रथा एवं बाल विवाह आदि कुरीतियों के विषय में विस्तृत चर्चा की ।और समिति के सदस्यों द्वारा इसमें हस्तक्षेप कर बचने का सुझाव दिया गया क्योंकि प्रत्येक सदस्य गांव का एक अंगभूत प्रतिनिधि होते हैं। गुब्बारा एवं कप गतिविधियों द्वारा विद्यालयों में सहयोग की भावना विकसित हो तथा सभी प्रकार की चुनौतियों का सामना प्रबंधन समिति कर सके का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से तपोवन हाई स्कूल के उमेश यादव ,प्लस टू स्कूल ककरहा के सचिव उपेंद्र मिश्रा , बावनगामा प्लस टू स्कूल के सचिव अंग्रेज मंडल, प्लस टू सुनहरा खादी के सचिव सूची दुबे प्लस टू शर्मा +2स्कूल सारवा के पाठक सर तथा अंची देवी मधुपुर प्लस टू स्कूल के अध्यक्ष उपाध्यक्ष के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ।

जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मो नेयाज असर्फी को जदयू ने सौंपा कमान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- पटना में औरंगाबाद जिले के रफीगंज प्रखंड के युवा जदयू नेता मो नेयाज असर्फी को मुख्य कार्यालय कपूरी सभागार पटना जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अशरफ अंसारी ने उमेश सिंह कुशवाहा के अध्यक्षा में प्रदेश पदाधिकारियों को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया ,ईस कार्यक्रम के दौरान औरंगाबाद जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मो नेयाज असर्फी को मनोनीत किया गया,समारोह में उपस्थित विधान परिषद सदस्य ललन सराफ , विधान परिषद सदस्य सह मुख्य सचेतक संजय सिंह उर्फ गांधी , मोहतरमा अंजुम आरा प्रदेश प्रवक्ता ,जदयू बिहार,प्रदेश प्रभारी मोहतरम जनाब इकबाल मेजर साहब,पूर्व शिया वक्फ बोर्ड अध्यक्ष इरशाद अली एवं जदयू के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे,ईस बात की औरंगाबाद जदयू प्रकोष्ठ के अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष मो नेयाज असर्फी ने मिडिया से बताई, और जदयू के तमाम पदाधिकारियों को कहा धन्यवाद।

शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने हेतु जिला स्तर पर शुरू हुआ अभियान

धनबाद : जिले के सभी शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाने तथा तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के लिए आज स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा सोशियो इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलॉपमेंट सोसाईटी (सीड्स) के तकनीकी सहयोग से सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला+2 स्कूल के सभागार में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी के आदेशानुसार किया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आशीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू सेवन की आदत जनस्वास्थ्य के लिए एक बड़ी समस्या के रुप में वैश्विक स्तर पर उभर रही है। इसलिए तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम के प्रति अवयस्क और युवा वर्ग में जागरूकता फैलाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम सब की जिम्मेदारी है कि अपने आनेवाले भविष्य की चिंता करते हुए युवाओं और अवयस्कों को तम्बाकू की लत से दूर रखा जाये। उन्होंने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में सोशिओ इकोनॉमिक एण्ड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसायटी (सीड्स) झारखण्ड द्वारा ह्लतम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप क्रियान्वयन हेतु सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई।

जिसमें सभी शिक्षण संस्थानों में धूम्रपान मुक्त एवं तंबाकू मुक्त परिसर का साइनेज का प्रदर्शन एवं नामित किए गए पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं मोबाइल नंबर अंकित होना, तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का साइनेज शिक्षण संस्थान के मुख्य द्वार पर लगाना, तम्बाकू सेवन के दूष्परिणामों से संबंधित पोस्टर का प्रदर्शन, हर छः माह पर तम्बाकू नियंत्रण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करना, तम्बाकू मोनिटर शिक्षक एवं विद्यार्थि नामित करना एवं उनका नाम पदनाम एवं मोबाईल नम्बर को साइनेज पर प्रदर्शित करना, तम्बाकू मुक्त विद्यालय हेतु आचार संहिता विकसित किया जाना, स्कूल के बाहरी दीवारों से 100 गज के दायरे को पीली रेखा से रेखांकित कर तम्बाकू मुक्त क्षेत्र घोषित करना तथा स्कूल के बाहरी दीवारों से 100 गज के दायरे में अवस्थित दूकानों में किसी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों की बिक्री न होना सुनिश्चित किया जाना शामिल हैं। उन्होंने तम्बाकू मुक्त पीढ़ी एवं तम्बाकू मुक्त गांव बनाए जाने की पूर्ण जानकारी दी।

हत्या और जानलेवा हमला के विरोध में तेली समाज का धरना

धनबाद : हाल के दिनों में हुए व्यापारी अमन साव की हत्या एवं कारोबारी चेतन साव पर जानलेवा हमला करने वाले अपराधियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में धनबाद जिला तेली साहू समाज ने बुधवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। जिला अध्यक्ष जगदीश साव ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर समाज के दो दो कारोबारी पर अपराधियों ने गोली चलाई जहाँ अमन साव की हत्या कर दी गई। तो वहीं चेतन साव गंभीर हालत में अस्पताल में इलाजरत हैं। पुलिस अभी तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी, इससे पुलिस की निष्क्रियता का पता चलता है। प्रिंस खान के आतंक से धनबाद के व्यापारी खौफजदा हैं। समाज आज के इस धरने के माध्यम से पुलिस प्रशासन को चेतावनी देने का काम कर रही है कि एक सप्ताह के भीतर अगर अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए तो राजभवन का घेराव किया जायेगा।धरना में समाज के अंकेश राज, हीरामन नायकु, जानकी प्रसाद महतो, देबू महतो, तालेश्वर साव, राजीव साव, उदय साव, कुलदीप साव, गुप्तेश्वर साव, सतीश महतो, रोहित महतो, सुदर्शन साव, भारती देवी गीता देवी इत्यादि थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग तथा उद्योग विभाग झारखंड की अध्यक्षता में विभागीय बैठक संपन्न

साहिबगंज : संजय कुमार प्रसाद यादव मंत्री, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग तथा उद्योग विभाग,झारखंड की अध्यक्षता में साहेबगंज के नये परिसदन भवन में विभागीय बैठक आहूत की गई। बैठक में मंत्री श्री यादव के द्वारा श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग तथा उद्योग विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यो की जानकारी ली। मंत्री श्री यादव द्वारा संथाल परगना क्षेत्र साहेबगंज जिला में स्थित फैक्ट्री एवं क्रेसर की जानकारी ली । जहां मजदूर के लिए नो स्कोप को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।वहीं जिला के दूर शहरों में साहेबगंज के प्रवासी मजदूरों के नियोजन हेतु प्रखंडो में कैंप लगाने हेतु निर्देशित किया गया।साथ ही विभाग की योजनाओं के सफल संचालन हेतु निर्देश दिए।मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा, श्रम अधीक्षक धीरेंद्र नाथ महतो, फैक्ट्री इंस्पेक्टर विनीत कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

जैतपुर पैक्स के छह कार्यकारणी के सदस्यों ने इस्तीफा दिया

हसपुरा निशांत कुमार की रिपोर्ट

हसपुरा (औरंगाबाद) : -प्रखंड के जैतपुर पैक्स के छह कार्यकारिणी सदस्यों ने पैक्स अध्यक्ष पर मानमानी करने और दबंगई करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को जिला सहकारिता पदाधिकारी औरंगाबाद के पास इस्तीफा के लिए आवेदन सौंप दिया है। पैक्स अध्यक्ष के नाम से लिखित आवेदन के साथ इस्तीफा के लिए शपथ पत्र भी दिया है।यह आवेदन पैक्स अध्यक्ष ,डीएम,एस-ाडीओ,बीडीओ,जेआर,मगध प्रमंडल गया,रजिस्ट्रार पटना को भी रजिस्ट्री के माध्यम से दिया है।बताया कि वे सभी पैक्स अध्यक्ष इस्तीफा दिया था।लेकिन वे आवेदन लेने से इनकार कर गए।इस्तीफा देने वालों में बंसी बिगहा गांव की लालती देवी, बिमला देवी,बिहटा की सविता देवी,जैतपुर के राम प्रवेश राम,नान्हू बिगहा के कृष्णा सिंह,बखियारपुर के राम नरेश सिंह का नाम शामिल है।बताया कि 30 नवम्बर को हमलोग कार्यकारणी के पद पर नव निर्वाचित हुए थे।लेकिन अध्यक्ष के मनमानी व दबंगई से हमलोग परेशान हो गए।अंत मे हमलोगों ने स्वेच्छा से इस्तीफा देने के लिए सहमति बनाई।कहा कि हमलोग ऐसे व्यवहार वांले अध्यक्ष के साथ कार्य नही कर सकते।

अभद्र टिप्पणी करने के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह का ,संविधान विरोधी ब्यान व अम्बेडकर पर अभद्र टिप्पणी करने के खिलाफ राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के सदस्यों ने पुतला दहन किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में शहर के रमेश चौक पर राजद अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सारुण पासवान के अध्यक्षता में संविधान विरोधी ब्यान व अम्बेडकर पर अभद्र टिप्पणी करने के खिलाफ देश के गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया,आगे अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष सरुण पास-ावान ने कहां की अमित शाह जैसे व्यक्ति से देश को खतरा है यह व्यक्ति केवल संविधान विरोधी नहीं बल्कि हिंदू ,मुसलमान भी करवाने का काम देश में करते रहा है, अमित शाह के ब्यान पर चुपी साधने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी मौन समर्थन है, दोनों मिल कर देश ने संम्प्रदायिक माहौल पैदा करना चाहते है, यह अपमान राजद व देश के दलित पिछड़ा बर्दास्त कभी नहीं करेंगे, राजद नेताओं ने दोनों के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाये और दोनों का पुतला दहन किया। इस पुतला दहन कार्यक्रम मे कई पार्टी के सदस्यों के साथ साथ कई पदाधिकारी गण के अलावा प्रदेश महासचिव, इं.सुबोध सिंह, आपदा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष,उदय उज्जवल , जिला पार्षद, शंकर यादवेंदु , राजद प्रधान महासचिव अनिल टाइगर,अनिल यादव,आसिफ शाह, युसूफ आजाद अंसारी, छात्र जिलाध्यक्ष प्रभारी चन्दन कुमार राजू यादव, सुशील कुमार, पंकज यादव आदि लोग मौजूद थे।

देवघर में स्वास्थ्य सेवाओं के मूल्यांकन व एक्शन प्लान बनाने हेतु रेज टूल पर आधारित बैठक का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर, स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी निगरानी और मूल्यांकन के उद्देश्य से जिला सिविल सर्जन के निदेर्शानुसार, फ्अक्एए टूल की बैठक का आयोजन देवघर के सदर अस्पताल सभागार में अउटड डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य फ्अक्एए टूल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा वितरण का सटीक मूल्यांकन और सुधार की रणनीति तैयार करना था। उपरोक्त के अलावे बैठक में डॉ प्रभात रंजन उपाधीक्षक सदर अस्पताल, समरेश सिंह जिला कार्यक्रम प्रबंधक, प्रवीन सिंह DPC, अनिमेष कुमार - HM सदर अस्पताल , MOIC डॉ शब्दकांत मिश्रा, MOIC डॉ हुजैफा, चेतना भारती, राजीव रंजन - NUHM और पीएसआई इंडिया के राज्य प्रतिनिधि सुनील कुमार, जिला प्रबंधक शैलेंद्र पांडेय और प्रशांत सिंह, सहित अन्य स्वास्थ्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य केंद्रों पर सेवाओं की गुणवत्ता और निगरानी के लिए फ्अक्एए टूल के प्रयोग को लेकर विशेष चर्चा हुई। इसके माध्यम से स्वास्थ्य योजनाओं की सटीक स्थिति का आकलन कर सेवाओं में पारदर्शिता और सुधार लाने पर जोर दिया गया। डॉ. शर्मा ने कहा, "RAISE टूल के उपयोग से स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी अधिक सटीक होगी और इसके परिणामस्वरूप सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा। बैठक के समापन पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री समरेश ने स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की सराहना की और भविष्य में सहयोग की अपेक्षा की।

जिले के प्रभारी मंत्री संतोष कुमार सुमन के द्वारा सूर्य मंदिर प्रांगण तट टंडवा में पुनपुन महोत्सव- 2024 कार्यक्रम का उद्घाटन किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- कला संस्कृति एवं युवा विभाग व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मंत्री सूचना एवं प्रावैधिकी, लघु जल संसाधन एवं आपदा प्रंबधन विभाग, बिहार सरकार सह-प्रभारी मंत्री औरंगाबाद, श्री संतोष कुमार सुमन के द्वारा सूर्य मंदिर प्रांगण तट टंडवा में पुनपुन महोत्सव- 2024 कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस-ाकार्यक्रम स्थल पर आए हुए सभी विशिष्ट अतिथियों को स्कूली छात्राओं द्वारा चंदन का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर सभी का स्वागत किया गया। समारोह का उद्घाटन सर्वप्रथम बिहार गीत गायन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात प्रभारी मंत्री, विधायक कुटुंबा श्री राजेश कुमार एवं पूर्व विधायक कुटुंबा श्री ललन राम एवं अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर विधिवत उद्घाटन किया गया । विभिन्न स्कूल के छात्र-ाओं द्वारा उपस्थित विशिष्ट अतिथियों एवं पदाधिकारीयों को स्वागत गान गाकर स्वागत किया गया। जिले के पदाधिकारीयों द्वारा प्रभारी मंत्री एवं सभी विशिष्ट अतिथियों को पौधा, मेमेंटों एवं शाल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्कूलों का छात्र एवं छात्राओं द्वारा सामूहिक नृत्य एवं अन्य प्रतियोगिता कार्यक्रम कराया गया। इसके अतिरिक्त स्थानीय एवं बाहरी कलाकारों द्वारा स-ांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में पुनपुन महाआरती कर कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विधायक कुटुंबा श्री राजेश कुमार एवं पूर्व विधायक कुटुंबा श्री ललन राम, अपर समाहर्त्ता श्री ललित भूषण रंजन, पुलिस उपाधीक्षक सदर, सदर एसड-ीओ श्री संतन कुमार सिंह, वरीय उपसमाहर्ता श्रीमती रत्ना प्रियदर्शी एवं श्रीमती श्वेता प्रियदर्शी, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नबीनगर, जिला परिषद सदस्य श्री हि-रराम, मुखिया श्री राम प्रसाद राम अन्य प्रखंड स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार के तत्वाधान में जिला नियोजनालय के द्वारा रोजगार मेला का आयोजन करेगा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार के तत्वाधान में जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद के मार्गदर्शन में जिला नियोजनालय, औरंगाबाद द्वारा 19.12.2024 को अनुग्रह इंटर विद्यालय के मैदान में एक दिवसीय नियोजन-सह- व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राज्य एवं राज्य के बाहर की लगभग 20 से 25 निजी कम्पनीयों के भाग लेने की संभावना है। मेला में नन-मैट्रीक से लेकर ग्रेजुएट, आई०टी०आई० एवं अन्य योगयताधारी बेरोजगार युवक / युवतीयों अपना बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र एवं योग्यता तथा अनुभव से संबंधित प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी के साथ इस मेले में उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस मेले में विभिन्न सरकारी विभाग जैसे उद्योग, आर०सेटी, आत्मा, श्रम संसाधन, डी०आर०सी०सी० इत्यादि अपने विभाग से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य लाभकारी योजनाओं के सबंध में मार्गदर्शन देगें। मेले में प्रवेश निःशुल्क है। अभ्यर्थी का नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। निबंधन की प्रक्रिया ऑन लाईन है. मेला में भी निबंधन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नियोजन-सह-व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला में निजी क्षेत्र की 2000 से 2500 रिक्तियों रहेगी। रिक्ति, नियुक्ति एवं चयन के मापदंड के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होगें। नियोजनालय एक सुविधा प्रदाता के रूप में कार्यरत रहेगा। इस मेले में भाग लेने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रशासन गाँव की ओर अभियान कार्यक्रम आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के मदनपुर प्रखण्ड के ग्राम पंचायत-दक्षिणी उमगा में मध्य विद्यालय, जुड़ाही परिसर में जिला पदाधिकारी, श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में ₹प्रशासन गाँव की ओर अभियान₹ कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी उप विकास आयुक्त एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए कई महत्वपुर्ण बातों को जनता के साथ साझा किया गया। साथ ही आम जनता द्वारा स-रकार द्वारा क्रियान्वित किये जा रहे कल्याणकारी योजनाओं से किस प्र-कार उन्हें लाभ पहुँच रहा है, इसके बारे में विस्तार से बताया गया। जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा ₹प्रश-ासन गाँव की ओर अभियान₹ कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बताते हुए सरकार के महत्वपुर्ण योजनाओं के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी जनता के समक्ष रखा गया। उन्होंने बताया कि यह सुदूरवर्ती इलाका हमारा जिला का है जो एक तरफ से पलामू एवं दूसरे तरफ से गया जिला के सीमा से लगता है। कभी यहां आना कठिन हुआ करता था खासकर सरकारी पदाधिकारी यहां काम ही पहुंच पाए थे। हम लोग को यह महसूस हुआ कि पूरा जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन इस सुदूरवर्ती इलाके में पहुंचकर समझे कि यहां के लोगों को क्या-क्या समस्या है। इसी कड़ी में पूरा जिला प्रशासन टीम सभी विभाग के पदाधिकारी पूरा टीम के साथ पहुंचकर आप लोगों का समस्या सुनने के लिए पहुंचे हैं। सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। सरकार इसके लिए दृढ संकल्पित है कि प्रत्येक व्यक्ति को सरकार के सभी योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके लिए सभी विभाग के योजनाओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्टॉल के लगाए गए हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किये की स्टाल पर जाकर सारी योजनाओं का जानकारी एवं लाभ प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि यहां स्वास्थ्य संबंधी चश्मा आंख जांच डायबिटीज इत्यादि का जांच करायें इसी प्रकार सभी विभाग का समस्या को स्टॉल पर जाकर लाभ उठाएं। कार्यक्रम में शिविर के माध्यम से सरकार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं को स्टॉल के माध्यम से जानकारी एवं उनकी समस्या / प्रतिक्रिया प्राप्त कर त्वरित निष्पादन किया गया। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता-सह-लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री जयप्रकाश नारायण, उप विकास आयुक्त अभयेंद्र मोहन सिंह, अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार, डियर डीआरडीओ श्री अनुपम कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी श्रीमती नीलम मिश्रा, इस-के अतिरिक्त जिलास्तर के अन्य पदाधिकारी के साथ प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधिगण की भागीदारी रही।

रांची के शहीद स्मारक से राज भवन तक पैदल मार्च में शामिल हुए देवघर के कांग्रेसी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में रांची के शहीद स्मारक से राजभवन तक प्रदेश अध्यक्ष के सब महतो कमलेश तथा विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा अडानी के बीच के संबंध का उजागर करने, अडानी के द्वारा संपूर्ण देश में किए जा रहे भ्रष्टाचार तथा जल रहे मणिपुर पर केंद्र सरकार की चुप्पी के खिलाफ इस विरोध प्रदर्शन में देवघर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी के सैकड़ों नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। अडानी-अम्बानी की गुलामी करना बन्द करो।प्रधानमंत्री मणिपुर मुद्दे पर चुप्पी तोडे।

संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करना बन्द करो।

लोकतंत्र की हत्या करना बन्द करो । देश के संसाधनों को अडानी-अम्बानी को बेचना बन्द करो। अडानी घोटाले पर चर्चा से दूरी-आखिर क्या है मोदी की मजबूरी ? जो मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई के नेतृत्व में हो। मोडानी को बचाना, एडीएनएल की जांच करना जैसे नारों एवं मांगों को लेकर देवघर जिला के मुख्य रूप से पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख,जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय जी के साथ जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी,प्रदेश सचिव अवधेश प्रजापति,अशोक सिंह, युवा अध्यक्ष कुमार राज,सेवा दल केबासुकी पंडित, अल्पसंख्यक विभाग के मो बेलालुद्दीन, राकेश जायसवाल,प्रियांशु सिंह, संतोष यादव,मिथुन कुमार,मो मोबीन आदि पैदल मार्च में शामिल हुए।

कोर्ट में आत्मसमर्पण कर, अभियुक्त न्यायालय से ,फरार हो गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद/ व्यवहार न्यायालय में उत्पाद कोर्ट द्वितीय नीतीश कुमार के कोर्ट में एक अभियुक्त आत्मसमर्पण कर फरार हो गया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि माली थाना कांड संख्या - 48/17 में गैरजमानती वारंट जारी होने के बाद अभियुक्त विजय राम पिता रामधनी राम नवाडीह माली आज व्यवहार न्यायालय में अपने अधिवक्ता के साथ आत्मसमर्पण किया और मौका मिलते ही न्यायालय कर्मियों को चकमा देकर दोपहर में भाग गया,जो काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला अभियुक्त के अधिवक्ता ने भी खोजबीन किया मगर वह न्यायालय से फरार हो गया था, अधिवक्ता ने बताया कि अभियुक्त को 2017 में 06 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया था अधिवक्ता ने कहा कि 2019 से अभियुक्त गैरहाजिर रहा जिस कारण उससे कहा गया कि दो दिन जेल में रहने के पश्चात 21/12/24 को आरोप गठन कर बंधपत्र पर छोड़ा जाएगा किंतु अभियुक्त न्यायालय कर्मियों को चकमा देकर भाग गया।

सौर भारती अखिल विश्व कल्याण संस्थान के द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर / मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था सौर भारती अखिल विश्व कल्याण संस्थान के द्वारा 18 दिसम्बर 2024 को बद्रि नारायण स्कूल, बतवां, औरंगाबाद में स्वास्थ्य जांच शिविर / मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया । कैंप में निःशुल्क संपूर्ण शरीर का चेकप (जॉच) जैसे- ब्लड शुगर , इढ , बा-ॅडी ऑक्सीजन , फेफडे का ळऊ , हृदय जॉच, नाक-कान-गला ,किडनी जॉच, मलेरिया , ब्रेन स्केनिंग , एउॠ , टाइफाइड तथा लीवर आदि की जॉच के साथ - साथ निःशुल्क दवा भी प्रदान की गई ,जिसमें लगभग 237 से अधिक लोगों ने अपना मेडीकल चेकप करवाया । इस शिविर में संस्थान के चेयरमैन डॉ.आनन्द मिश्र तथा डॉ. विकाश कु . मिश्रा (आकाश क्लीनीक , दाउदनगर) का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा . संस्थान के चेयरमैन डॉ. आनन्द मिश्र ने बताया की संस्थान को किसी भी प्रकार से केन्द्र सरकार ,राज्य सरकार अथवा जिला से कोई भी सरकारी फण्ड से अथवा आर्थिक रूप से सहायता प्रदान नहीं की जाती , समस्त खर्च स्वयंभू सौर भारतीय अखिल विश्व कल्याण संस्थान के द्वारा ही वहन किया जाता है। उक्त अवसर पर संस्थान के जिला पी.आर.ओ धर्मेन्द्र कुमार सिंह, विद्यालय प्रबन्धक धनन्जय कु.सिंह, 'सौर भारती मे-डिकल ट्रेनिंग कॉलेज' श्रीकृष्णा नगर औरंगाबाद के ठटउ एवं ॠछअ के विद्यार्थी चान्दनी कुमारी, अंकिता कुमारी, पुष्पा कुमारी, शुशीला देवी, प्रीति कुमारी , श्वेता कुमारी, निरमा कुमारी, शोभा कुमारी, चंचल कुमारी, नीलम कुमारी, अंशु कुमारी, अंजली कुमारी व विद्यालय प्रबन्धन से पिंकि सिंह, मालती सिंह, अमोली सिंह, अंजली पाण्डेय, पूनम कुमारी, मनीषा, प्रीति, रानी, काजल कुमारी आदि ने एक सफल सहायक के रूप में योगदान किया।

शिक्षा आपके भविष्य को दिशा देती है :- आयुक्त

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

दरभंगा 18 दिसंबर शहर के प्रतिष्ठित होली क्रॉस स्कूल में दो दिवसीय तीसवें वार्षिक उत्सव के पहले दिन जहां शांति रहती है वहां सद्भाव पनपता है के मूल मंत्र पर आयोजित कार्यक्रम का बुधवार को दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त मनीष कुमार ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत ईश्वर की अराधना नृत्य से किया गया। दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त मनीष कुमार ने स्कूली शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा आपके भविष्य को दिशा देती है। यह वह आधार है, जिस पर आपका संपूर्ण जीवन टिका होता है। होली क्रॉस स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त मनीष कुमार ने अपने प्रेरणादायक संबोधन से सभी को प्रभावित किया। आयुक्त ने एक अमेरिकन लेखक का उद्धरण देते हुए कहा कि वह रोमांचकारी क्षण होता है जब एक सुबह आपको एहसास हो कि हाई स्कूल की कक्षा पूरे देश को चला रही है। उन्होंने इस उद्धरण को विद्यालय से जोड़ते हुए कहा कि मैं चाहता हूं कि होली क्रॉस स्कूल के लिए भी वह रोमांचकारी क्षण आए, जब यह महसूस हो कि इस स्कूल की कक्षा पूरे देश को चला रही है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि वे खुद एक औसत छात्र रहे, लेकिन सही मूल्यों और मार्गदर्शन के सहारे किसी भी ऊंचाई को छुआ जा सकता है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय यीशु समाज के अधीन विद्यालय को देते हुए कहा कि इस विद्यालय ने मेरे जीवन को आकार दिया और दरभंगा ने मुझे मेरी पत्नी से भी मिलाया। मेरी पत्नी और उनकी बहन ने इस स्कूल में पढ़ाई की है और मैं भाग्यशाली हूं कि उन्होंने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की। आज यहां उपस्थित होकर मैं उनका आभार व्यक्त कर रहा हूं। विशिष्ट अतिथि बिहार गृह रक्षा वाहिनी के समादेष्टा सह जिला अग्निशमन पदाधिकारी अनिरुद्ध प्रसाद ने भी छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। स्कूल की प्रथम वर्ग से लेकर पांचवी वर्ग की छात्राओं ने विश्व अमन का संदेश देते हुए रंगारंग प्रस्तुतियों से समा बांधा जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। छात्राओं ने नृत्य, गीत, नाटक, लोकनृत्य, लोक संस्कृति की मनोहर झांकी प्रस्तुत की। नृत्य नाटिका के माध्यम से उन्होंने संदेश दिया कि शांति, सौहार्द, सद्भाव, प्रेम ही जीवन के मूलभूत मूल्य है। इनपर चलकर ही हम शांतिपूर्ण विश्व की स्थापना कर सकते है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य सिस्टर जैंसी ने विद्यालय की उपलब्धि बताते हुए छात्राएं एवं अभिभावकों से विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि इस विद्यालय की पढ़ाई, अनुशासन और हमारी संरचनाएं काफी अच्छी है और इसी का परिणाम है कि हमारे बच्चे भी अच्छा रिजल्ट ला रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक सिस्टर नीली, प्राचार्या सिस्टर जैसी, होली क्रॉस की नॉर्थ ईस्ट समन्वयक सिस्टर एलसीट, उप प्राचार्या सिस्टर सुरीना उपस्थित थी। स्कूल की शिक्षिका मिस नीता माइकल, मिसेज सुनीता सहित अन्य अध्यापिकाओं के निर्देशन में कार्यक्रम का संचालन किया गया। अतिथियों का स्वागत स्कूल की शिक्षिका रश्मि ठाकुर ने किया वहीं धन्यवाद ज्ञापन फातिमा जफर ने किया।

कोडरमा में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं सुनी गई

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिले के बिरसा स-ांस्कृतिक भवन में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीआईजी मयूर पटेल, कोडरमा डीसी, एसपी और संबंधित थानों के प्रभारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में कोडरमा थाना, डोमचांच थाना, तिलैया थाना और मरकच्चो थाना क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। जमीन विवाद, सड़क पर मारपीट, अवैध शराब बिक्री, और भूमिया से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने आम जनता की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सैकड़ों फरियादी मौजूद थे, जिन्होंने अपनी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं।

विधान से समाधान कार्यक्रम आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड सभागार में विधान से समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ड्यूटी चीफ एलएडीसी राहुल कुमार के देखरेख में किया गया। इस दौरान महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस करते हुए जानकारी दी गई। उससे जुड़े कानून की जानकारी दी गई।इस मौके पर जिला से ममता शाह, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी संत मर्सी टुडू, कृषि पदाधिकारी पंकज कुमार, बीटीएम रामाधार सिंह सहित अंचल के कर्मी, प्रखंड कर्मी, सेविका, महिला व बाल विकास कर्मी आदि मौजूद थे।

आर्थिक रोडमैप के साथ दिल्ली से लौटे दिसानायके

>> विचार

अडानी समूह कोलंबो में श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर की टर्मिनल परियोजना के निर्माण में भी शामिल है। सितंबर 2021 में शुरू की गई सीडब्ल्यूआईटी परियोजना, श्रीलंका के बंदरगाह क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। 35 साल के समझौते की कीमत 1 बिलियन डॉलर है। यह टर्मिनल श्रीलंका की सबसे बड़ी और सबसे गहरी कंटेनर सुविधा वाली होगी, जो अल्ट्रा लार्ज कंटेनर वेसल्स को संभालने में सक्षम है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अडानी पोर्ट्स के पास श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी और जॉन कील्स होल्डिंग्स के साथ साझा उद्यम में 51 फीसद हिस्सेदारी है।

पुष्परंजन

सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि कॉमरेड दिसानायके ने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए भारत को चुना। इससे हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा आएगी।' मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका बिजली ग्रिड संपर्क और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। दिसानायके की पार्टी, 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की मार्क्सवादी विचारधारा में जड़ें होने के कारण नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा हुई थीं, कि उनका झुकाव चीन की ओर होगा। लेकिन, कोलंबो में 'सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स' के कार्यकारी निदेशक पैकियासोथी सरवनमुट्टू के अनुसार, 'नई दिल्ली को अपना पहला विदेशी पड़ाव बनाकर उन्होंने संकेत दिया, कि भारत वास्तव में हमारा सबसे करीबी सहयोगी होगा। यह इस यात्रा का प्रतीकात्मक आयाम है।' सबसे दिलचस्प यह है कि दिसानायके की रविवार से आरम्भ तीन दिवसीय भारत यात्रा पर चीन से अधिक, अमेरिका की नज़र रही है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की दिल्ली यात्रा से दस दिन पहले, दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के अमेरिकी सहायक मंत्री डोनाल्ड लू, अमेरिकी वित्त विभाग में एशिया-प्रशांत के उप सहायक मंत्री रॉबर्ट कैप्रोथ, और अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) में एशिया ब्यूरो की उप सहायक प्रशासक अंजलि कौर कोलम्बो आये, और उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या, विदेश रोजगार-पर्यटन मंत्री विजिता हेरथ के साथ चर्चा की। अंजलि कौर ने यूएसएआईडी परियोजनाओं को अमल करने में अमेरिकी रुचि का इज़हार किया। मतलब, अमेरिका ने बता दिया कि हिन्द महासागर में श्रीलंकन सहयोग हमें मिलते रहना चाहिए। सोमवार को नई दिल्ली में दिसानायके का दिया बयान महत्वपूर्ण है, 'हमने दो साल पहले एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना किया था, और भारत ने उस

दलदल से बाहर निकलने में हमारा भरपूर समर्थन किया था।' इस समय श्रीलंका के लिए लाइन ऑफ़ क्रेडिट (देय भुगतानों) से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है। दिसानायके ने इसके लिए 20.66 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया, जिससे उस पर ऋण बोझ काफी कम हो गया। नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा, 'हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी भूमि का किसी भी तरह से उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, जो भारत के हित के लिए हानिकारक हो। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत को हमारा समर्थन और सहयोग निरंतर मिलेगा।' सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स के कार्यकारी निदेशक सरवनमुट्टू के अनुसार, 'श्रीलंका को भारत और चीन के बीच संतुलन बनाना है, लेकिन दिसानायके बहुत व्यावहारिक हैं। वे कट्टर वामपंथियों की तरह विचारक नहीं हैं। वह जानते हैं कि भारत उसका सबसे करीबी और मुसीबत में मददगार पड़ोसी है। चीन भी श्रीलंका में होगा। लेकिन इस सवाल पर कि क्या चीन को बड़ी हिस्सेदारी मिलेगी? सरवनमुट्टू बोलते हैं, 'मुझे नहीं लगता, कि ऐसा जरूरी होगा। राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके की यात्रा से पहले, कोलंबो की ओर से स्पष्ट किया गया कि अडानी समूह द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह परियोजना को हमें आगे बढ़ाना है। इससे पहले दिसानायके के कार्यालय ने कहा था, कि हम अडानी परियोजना की समीक्षा करेंगे, क्योंकि हमसे यह छिपाया था कि भारत में एक विशाल सौर ऊर्जा परियोजना को कथित तौर पर 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत योजना के तहत सुविधा प्रदान की जा रही थी। बहरहाल, 'अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड' के शेयर मंगलवार सुबह से चर्चा में हैं। क्योंकि, अडानी समूह की इस कंपनी ने कहा है कि वह अमेरिकी फंडिंग की मांग नहीं करेगी। इसके बजाय, श्रीलंकाई बंदरगाह परियोजना के लिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल करेगी। अडानी पोर्ट्स ने कहा कि श्रीलंका में कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है, और अगले साल की शुरुआत तक चालू होने की राह पर है। अडानी पोर्ट्स ने कहा, 'हमने डीएफसी से वित्तपोषण के लिए अपना अनुरोध वापस ले लिया है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ अनिल सरदाना ने बताया, 'श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों मन्नार और पूनरी में 500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना प्रगति पर है।' मंगलवार को श्रीलंकाई कैबिनेट द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह की अक्षय ऊर्जा इकाई अडानी ग्रीन एनर्जी को फरवरी, 2023 में 442 मिलियन डॉलर निवेश करने, और मन्नार शहर और पूनरी गांव में 484 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र विकसित करने की मंजूरी मिली थी, जो दोनों श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में स्थित हैं। अडानी समूह कोलंबो में श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर की टर्मिनल परियोजना के निर्माण में भी शामिल है। सितंबर 2021 में शुरू की गई 'सीडब्ल्यूआईटी' परियोजना, श्रीलंका के बंदरगाह क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। 35 साल के समझौते की कीमत 1 बिलियन डॉलर है। यह टर्मिनल श्रीलंका की सबसे बड़ी और सबसे गहरी कंटेनर सुविधा वाली होगी, जो अल्ट्रा लार्ज कंटेनर वेसल्स को संभालने में सक्षम है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अडानी पोर्ट्स के पास श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी और जॉन कील्स होल्डिंग्स के साथ साझा उद्यम में 51 फीसद हिस्सेदारी है। यह परियोजना 2025 की शुरुआत में चालू होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पीएम मोदी के अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ राष्ट्रपति दिसानायके की बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। डॉ. जयशंकर ने पर्यटन, निवेश और ऊर्जा क्षेत्रों में श्रीलंका का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। चर्चा में मत्स्य उद्योग को आगे बढ़ाना, समुद्र सीमा उल्लंघन करने वाले मछुआरों को कैसे अलर्ट करना है, और श्रीलंका में राष्ट्रीय एकता को कैसे बढ़ावा देना है, जैसे विषय थे। श्रीलंका के रणनीतिकार महसूस करते हैं, कि रामायण ट्रेल के माध्यम से अधिक भारतीय पर्यटकों को लाने के उपाय भी तलाशे जाने चाहिए। मन्नार में दोनों देशों को जोड़ने वाले प्रस्तावित पुल के निर्माण तेज़ हुआ, तो पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। दोनों देशों के बीच बौद्ध विरासत को विकसित करने की ज़रूरत है। भारत, श्रीलंका में राष्ट्रीय एकता के निर्माण में भी प्रमुख भूमिका निभा सकता है। इस वास्ते तमिल नेताओं के साथ निरंतर संवाद करना चाहिए। तमिल नेता भड़काऊ बयान देने से बचें, यह प्रयास हो। दक्षिण में कुछ अतिवादी नेता हैं, जिन्होंने अतीत में भारत-श्रीलंका के बीच सम्बन्ध ख़राब किये हैं। राष्ट्रपति दिसानायके को उन पर लगाम लगानी चाहिए, क्योंकि उन्होंने नस्लवाद या धार्मिक अतिवाद को बढ़ावा देने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का वादा किया है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

संपादकीय

शतरंज का बादशाह

भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर गुकेश डी का वर्ल्ड चैंपियन बनना हर भारतीय को उल्लास से भर गया। वजह है कि वह दुनिया में सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। जो बताता है कि भारत अब शतरंज के ग्रैंड मास्टरों की खान बनता जा रहा है। वीरवार को उसने सिंगापुर में खेली गई विश्व चैंपियनशिप की 14वीं अंतिम बाजी में चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिझेन को हराया। बचपन में किसी पत्रकार ने उनसे पूछा था कि उनका सपना क्या है तो बालक गुकेश ने दो टूक शब्दों में कहा था कि मैं विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं। यह तो तय था कि वे विश्व चैंपियन बनेंगे, लेकिन इतनी जल्दी बनेंगे यह उम्मीद उनके अलावा किसी को नहीं थी। विश्वनाथन भी विश्व चैंपियन बने मगर वे 31 साल की उम्र में यह करिश्मा दिखा पाए। यही वजह है कि 14वीं व अंतिम बाजी जीतने के बाद वे भाव-विभोर होकर अपनी अप्रत्याशित जीत के बाद खुशी से सार्वजनिक रूप से रो पड़े। बेहद सहज व सरल स्वभाव के गुकेश का बड़प्पन देखिए कि इस बड़ी जीत के बावजूद उन्होंने कहा कि हारने वाले डिंग दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। बहरहाल, आज गुकेश निर्विवाद रूप से शतरंज के बादशाह हैं। उनकी साधना ने सफलता की नई इबारत लिखी है। उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का भरपूर संबल रहा। यहां तक कि बेटे की सुनहरी कामयाबी के लिये पिता ने अपना कैरियर तक दांव पर लगा दिया। वैसे सिंगापुर में तेरह दिसंबर तक चलने वाली चेस चैंपियनशिप का एक सुखद पहलू यह भी है कि शतरंज में एशिया का वर्चस्व नजर आया। यह इस विश्वस्पर्धा के 138 साल के इतिहास में पहली बार हुआ कि दो एशियाई शतरंज के माहिर खिताबी जीत के लिये मुकाबला कर रहे थे। वहीं मुकाबला इतना कड़ा था कि गुकेश डी और पूर्व चैंपियन डिंग के बीच तेरह मुकाबलों तक बाजी बराबरी पर छूटी। जिससे शतरंज प्रेमियों में खेल का रोमांच बराबर बना रहा। बहरहाल, इस कड़े मुकाबले का निष्कर्ष यह है कि इस मुकाबले के बाद गुकेश शतरंज की दुनिया के बेताज बादशाह बन गए हैं। उन अंतर्राष्ट्रीय माहिरों को मुंह की खानी पड़ी जो कुछ राउंड के बाद गुकेश को कमतर आंक रहे थे। वैसे पूर्व विश्व चैंपियन आनंद ने इस मुकाबले को जटिल व कठिन बताया था। बहरहाल, चेन्नई के गुकेश डी की इस कामयाबी ने एक संकेत यह दिया कि चेन्नई देश को लगातार विश्वस्तरीय ग्रैंडमास्टर दे रहा है। यहां तक कि कई चैंपियन देने वाले चेन्नई को भारत की शतरंज की राजधानी तक कहा जाने लगा है। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि गुकेश के परिवार में कभी किसी ने शतरंज नहीं खेला। उनके खेल के प्रति जुनून ने ही उन्हें विश्व चैंपियन बनाया है। यहां तक कि स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने ग्रैंड मास्टर का खिताब हासिल कर लिया था। वे 2019 में भारत के सबसे कम उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने वाले मोहरों के माहिर थे। कालांतर उनकी प्रतिभा निखारने के लिये पिता ने उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण दिलाया। उनके प्रशिक्षकों ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन पर विशेष ध्यान दिया। परिवार व स्कूल के संबल से प्रतिभा निखरी। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतने से कामयाबी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह आज विश्व चैंपियनशिप जीतने के मुकाम तक जा पहुंचा है। वैसे वे इससे पहले कॉमनवेल्थ चेस चैंपियनशिप में गोल्ड, स्पेन में संपन्न अंडर-12 चैंपियनशिप, यूरोपियन चेस क्लब कप के अलावा कई ओपन टाइटल समेत कई खिताब भी जीत चुके हैं। निस्संदेह, इस शिखर की कामयाबी में जहां गुकेश की कड़ी मेहनत, एकाग्रता व जुनून शामिल है, वहीं सर्जन पिता डॉ.रजनीकांत के त्याग का भी बड़ा योगदान है, जिन्होंने अपना कैरियर ही बेटे के भविष्य के लिये छोड़ दिया था। वहीं गुकेश के कैरियर को बुलंदियों तक पहुंचाने में योग का भी योगदान है, जिसने उन्हें गहरी एकाग्रता दी है। एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल से भेटवार्ता में उन्होंने स्वीकार किया था कि योगाभ्यास ने उनकी एकाग्रता को संबल देकर मानसिक रूप से मजबूत बनाया है। जिससे किसी भी असफलता से वे जल्दी ही उबर जाते हैं। बहरहाल, देश को उनसे और बड़ी कामयाबी की उम्मीदे हैं।

हर थाप में थी भावनाओं की गहराई

विवेक शुक्ला

उस्ताद जाकिर हुसैन का एक चित्र महान कत्थक नृतक बिरजू महाराज के राजधानी के शाहजहां रोड के फ्लैट में ड्राइंग रूम में लगा हुआ था। उसमें उस्ताद जाकिर हुसैन और बिरजू महाराज खिलखिला रहे हैं। उसे देखकर बिरजू महाराज कहते थे, उस्ताद जाकिर हुसैन से बेहतर तबला वादक अब कोई पैदा नहीं होगा। ये दोनों ही अपनी-अपनी कलाओं के महारथी थे, और जब वे साथ में प्रस्तुति करते, तो एक जादुई माहौल बन जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन की मृत्यु से सारा देश उदास है। उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी अद्भुत तकनीक और तबले पर महारत के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनकी लय और ताल की समझ अविश्वसनीय थी। वे जटिल तालों को भी सहजता से बजाते थे, जिससे संगीत में एक अलग ही रंगत आ जाती थी। जाकिर हुसैन का संगीत सिर्फ तकनीकी कौशल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं की गहराई भी है। उनकी हर थाप में एक कहानी छिपी होती है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है। वो फरवरी का महीना था और साल था 2012 । दिल्ली में जाड़ा पड़ रहा था। उस दिन राजधानी के शास्त्रीय संगीत के रसिया नेहरू पार्क का रुख कर रहे थे उस्ताद जाकिर हुसैन के जादू को देखने के लिए। उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपनी उंगलियों और हथेलियों से ऐसी ध्वनियां निकालीं, जो पहले कभी नहीं सुनी गईं थीं। दरअसल उस दिन तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने नेहरू पार्क में शिव कुमार शर्मा के साथ जुगलबंदी पेश की थी। करीब सैकड़ों संगीत प्रेमियों के बीच जब दोनों उस्तादों ने तान छेड़ी तो फिर जो समां बंधा, उसे कौन शब्दों में बयां कर सकता है। करीब दो घंटे की जुगलबंदी में दोनों उस्तादों ने अपने चाहने वालों की भरपूर तालियां बटोरीं। अफसोस कि उस जुगलबंदी के दोनों

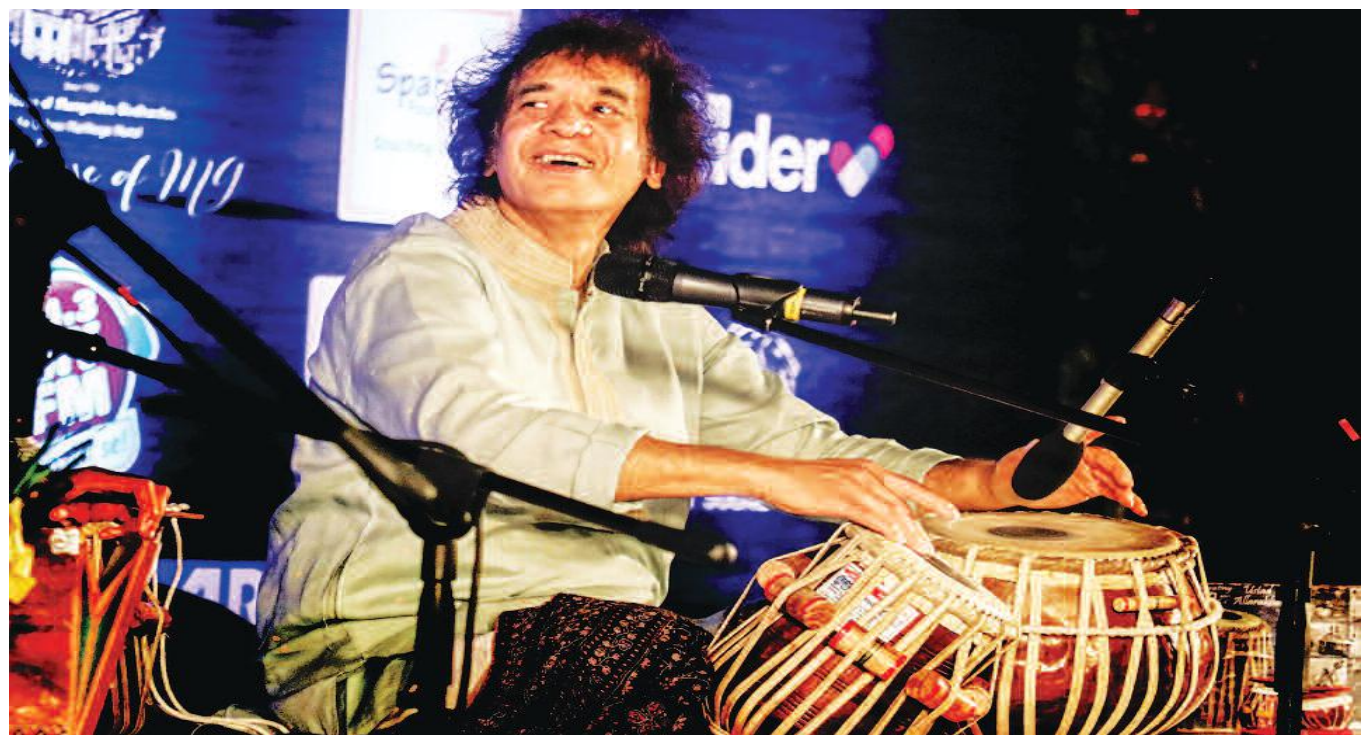

उस्ताद अब संसार में नहीं रहे। उस्ताद जाकिर हुसैन दिल्ली में बीती आधी सदी से भी अधिक समय से अपने कार्यक्रम दे रहे थे। भारतीय संगीत को उनके खास अंदाज की वजह से अतंर्राष्ट्रीय पहचान मिली थी। उन्होंने दिल्ली में दर्जनों कंसर्ट पेश किए। जाकिर हुसैन ने कमानी सभागार में 2019 में एक यादगार प्रस्तुति दी थी। मौका था श्रीराम कला केन्द्र के संस्थापक लाला चरत राम की याद में आयोजित एक कार्यक्रम का। उसमें श्रीराम कला केन्द्र की प्रमुख शोभा दीपक सिंह ने बताया था कि जाकिर हुसैन श्रीराम कला केन्द्र के कार्यक्रमों में अपने पिता उस्ताद अल्लाह रखा खान के साथ आते थे। जाकिर हुसैन ने जब दिल्ली के कमानी सभागार में प्रस्तुति दी, तो वह एक अविस्मरणीय शाम थी। उनके तबले की गूंज पूरे सभागार में गूंजी व दर्शक मंत्रमुग्ध हुए। कला मर्मज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार उस्ताद के निधन का समाचार सुनकर कहने लगे, जाकिर हुसैन का कोई सानी नहीं था। उनकी उंगलियां तबले पर ऐसे चलती थी जैसे कोई जादू हो। उनकी लयकारी व ताल की समझ अद्भुत थी। वे हर ताल को नए अंदाज में पेश करने में माहिर थे । उस्ताद जाकिर हुसैन की लय पर पकड़ अद्भुत थी। उनकी उंगलियां तबले पर इस तरह नाचती थीं कि हर ताल और लय स्पष्ट और सटीक होती थी। वह पारंपरिक तबला वादन में तो माहिर थे ही, साथ ही उन्होंने अपनी तकनीक में कई नए तत्वों को भी जोड़ा। वे विभिन्न प्रकार की तालों और लय में कुशलता से तबला बजाते थे। उनकी गति अविश्वसनीय थी। वे बहुत तेज गति से तबला बजा सकते थे, लेकिन उनकी सटीकता और स्पष्टता कभी कम नहीं होती। जाकिर हुसैन सिर्फ तबला नहीं बजाते थे, बल्कि संगीत के साथ संवाद करते थे। वे अन्य संगीतकारों के साथ मिलकर शानदार संगीत बनाते थे। उनके तबला वादन में गहरी भावनाएं होती थीं। वे अपनी कला से खुशी, दुख, उत्साह और शांति जैसे विभिन्न भावों को व्यक्त कर सकते थे । वे भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ जैज़ और फ्यूजन संगीत में भी माहिर थे। उन्होंने विभिन्न संस्कृतियों के संगीत को एक साथ मिलाकर एक नई शैली बनाई। जाकिर हुसैन ने कई युवा तबला वादकों को प्रेरित किया। उन्होंने तबला वादन को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते थे। उन्होंने तबले वादन के क्षेत्र में कई नए प्रयोग किए और इस कला को आगे बढ़ाया। वे दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और सम्मानित तबला वादकों में से एक थे। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान जीते हैं। इतने बड़े कलाकार होने के बावजूद, जाकिर हुसैन बहुत ही सरल और विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। वे अपने संगीत के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। वे अपने संगीत और दर्शकों के प्रति गहरा प्यार रखते थे। वे दर्शकों के सवालों के जवाब देते थे, उनसे बतियाते थे। उस्ताद जाकिर हुसैन को भारत और दुनियाभर में बसे उनके चाहने वाले सदैव याद रखेंगे।

व्यंग्य

चट मंगनी पट तलाक से हलकान जिंदगी

राकेश सोहम

उसके सिर पर बड़ा-सा व्हाइट-क्रॉस चिपका हुआ था। मैंने छेड़ा, 'भाभी जी से झगड़कर आए हो?' वह चौंका, 'तुम्हें कैसे मालूम?' मैं समझा मज़ाक कर रहा है। दिलो-दिमाग में उसकी सुखी वैवाहिक जीवन की छवि बनी हुई थी। उसने खुद बताया था कि उनकी आपसी समझ कितनी अच्छी है। मैं उनकी 'अंडर-स्टैंडिंग' से प्रभावित था- बीवी हो तो ऐसी। तभी वह उदास-सा बोला, 'नहीं यार, तेरी भाभी ने सिर पर फूल मार दिया।' मैं चौंका, 'अरे! फूल से ऐसी चोट लगती है भला?' वह रुआंसा होकर बोला, 'दरअसल, फूल गमले में लगा था और गुस्से में गमला सहित सिर पर दे मारा।' एक सुखी विवाहित का ऐसा रूप! जब उसकी शादी न हुई थी तब वह मर-मिटने को तैयार था, कहता था- यदि उससे शादी न हुई तो मर जाएगा। अब मर रहा है तो रोता है? यह घटना चुटकुले-सी लगती है। वास्तव में सच्चाई से चुटकुले जनमते हैं। जिसे लोग समाज, राजनीति, व्यवस्था या धर्म के डर से सीधे नहीं सुन पाते, उसे चुटकुला कहकर स्वीकारते हैं। चुटकुले सच्चाई को बेअसर कर देते हैं। आपसी अंडर-स्टैंडिंग का ज़ामा

पहने पति-पत्नी घर के बाहर अच्छे लगते हैं। अच्छी पोशाकें, कॉस्मेटिक्स व परफ्यूम का जादू हटते ही सब कुछ बदल जाता है। कुंठाएं, अनबन, तनाव, तू-तू, मैं-मैं, मारपीट और प्रताड़नाएं नर्तन करने लगती हैं। विवाहित जीवन की मधुरता दूसरा खूबसूरत पहलू भी है। खबर है एक विवाहिता ने ज़हर खाकर जान दे दी तो उसके दुखी पति ने इमारत की चौथी मंज़िल से कूदकर जान दे दी। अनोखी है विवाहित जीवन की ऐसी लालसा। प्यार के चरमोत्कर्ष का ऐसा अनूठा रूप है। हालांकि, मसखरे कहते हैं- बगैर शादी मुक्ति नहीं मिलती। शादी पूर्व स्वर्ग से उतरी अप्सरा-सी वधू पति के घर को स्वर्ग बनाती है तथा पति को स्वर्गवासी! बहरहाल, आज मैं कुंवारे दिनों को याद करता हूं तो नाक से 'घर-घर जल' के नलों की तरह सूं-सूं कर हवा निकलती है। मन के नल से आंसुओं की सप्लाई नहीं होती। हमें याद है, हमारी शादी 'चट मंगनी पट ब्याह' के दौर में हुई थी। हमने लड़की देखी और हां कर दी। चट मंगनी हो गई। पंडित ने 27 गुणों का मिलान करके पट ब्याह करा दिया। बस, यहीं गड़बड़ी हो गई। पंडित की गुण-मिलान-एक्यूरेसी ने कठिनाई पैदा कर दी। मेरी प्रत्येक पसंद न-पसंद पत्नी की पसंद न-पसंद से बिल्कुल मिलती है। मुझे खाना-बनाना पसंद नहीं, उसे भी नहीं। मुझे आराम अच्छा लगता है, वह भी आराम-परस्त है। बहरहाल, अब पछताने से क्या होगा? पत्नियां नाराज़ न हों। उनका दोष नहीं है। विवाहित जीवन के सवालों का कोई अचूक जवाब नहीं होता। कुछ दिनों से पश्चिमी सभ्यता ने नई सोच दी है- चट शादी, पट तलाक़।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष तबरेज अंसारी बिनोद बिहारी महतो दी श्रद्धांजलि

धनबाद झारखंड आंदोलन के शिक्षा पुरोधा के महानायक एवम् पूर्व सांसद बिनोद बिहारी महतो के 33वी पुण्यतिथि पर श्रद्धाजलि देने सिंदरी विधानसभा उपाध्यक्ष तबरेज अंसारी युवा कांग्रेस विशाल जुलूस एवं बाजे गाजे के साथ विनोद बाबू के समाधि स्थल विनोद धाम पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित किये ! शत शत नमन, विनम्र श्रद्धांजलि विनोद बाबू अमर रहे ! झारखंड के वीर शहीदों को हुल जोहार

भागलपुरः महर्षि संतसेवी परमहंस जी महाराज की जयंती समारोह 20 को, तैयारी शुरू

भागलपुर/निबराज आलम

भागलपुर। महर्षि संतसेवी परमहंस जी महाराज की 105 वीं जयंती समारोह कुप्पाघाट आश्रम में 20 दिसम्बर को मनेगा। अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा की ओर से जयंती की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसमें देश के विभिन्न जगहों से साधु-महात्मा के साथ अनुयायी आयेंगे। संत संजय बाबा ने भीषण ठंड से राहत के लिए महासभा के अधिकारी द्वारा गर्म कपड़ों का वितरण होगा।

पार्षदों पर केस दर्ज करा मुंह बंद करा रहा निगम : अमृता

भागलपुर/निबराज आलम

भागलपुर लोकतंत्र में जनहित की बात पर आवाज बुलंद करने वाले पार्षदों पर निगम प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज होना दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। जनप्रतिनिधियों पर सवाल उठाने पर केस दर्ज कराना निगम में अफसरशाही और तानाशाही को दशार्ता है। यह बातें वार्ड 16 की पार्षद अमृता राज ने पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा, जब क्षेत्र में किसी भी तरह की समस्या होती है तो आम जनता सबसे पहले निचले स्तर के जनप्रतिनिधि (पार्षद) से ही उम्मीद रखते हैं। चाहे बिजली, पानी, सफाई या सड़क-नाला की समस्या हो। जब इन्हीं कार्यों में कुछ पदाधिकारी द्वारा मनमानी का विरोध जनप्रतिनिधि करते हैं तो बदले में केस दर्ज करा मुंह बंद करवाने की साजिश रची जाती है। पार्षदों को आपस में तोड़ने की साजिश रची जाती है। इसलिए हम सभी पार्षदों को आपातकालीन बैठक कर इस लड़ाई को पार्षद संघ के बैनर तले मजबूती से लड़नी चाहिए।

भिखारी ठाकुर का जयंती मनाया गया

पटना , 18 दिसंबर (आरएनएस)। भिखारी ठाकुर का जयंती उनके गाँव मे मनाया गया जिसमे कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए संस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घघाटन एमएलसी वीरेंद्र नारयण यादव सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह सदर एसडीओ लक्ष्मण तिवारी ने दीप प्रज्वालित कर के किया इस अवसर पर हरेश सिंह मुखिया सत्येंदर सिंह उनके परपोता सुशील ठाकुर सहित अनेक लोग शामिल हुए और उनके जीवनी और उनके द्वारा किये गए सरहानीय कार्य की सराहना की और कहा की भोजपुरी के छेत्र मे उन्होंने बहुत कार्य किये है उन्हें भोजपुरी का सेक्सपियर कहा जाता था भोजपुरी मे उन्होंने बहुत मुकाम हासिल किया आज अगर पूरे विशव मे लोग भोजपुरी जानते है तो उसमें भिखारी ठाकुर जी का ही देन है ।

भागलपुर महोत्सव में आज होगी सारेगामापा के स्टार जय झा की प्रस्तुति

भागलपुर/निबराज आलम

भागलपुर महोत्सव के चौथे दिन सारेगामापा के स्टार जय झा की प्रस्तुति होगी। जय के भागलपुर आने से यहां के लोग उत्साहित है। अध्यक्ष रमन कर्ण ने बताया कि बुधवार शाम 6.30 बजे से सारेगामापा के स्टार जय झा की प्रस्तुति होगी। इससे पूर्व महोत्सव में क्लासिकल नृत्य जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता सुबह 11:30 बजे से होगी। जबकि 12 बजे से पेंटिंग प्रतियोगिता ग्रुप एबीसी, जबकि 12:30 बजे से क्लासिकल नृत्य सीनियर की प्रतियोगिता होगी। उसके बाद दोपहर दो बजे से ग्रुप डांस प्रतियोगिता सीनियर, शाम चार बजे से मॉडलिंग पुरुष व शाम पांच बजे से मॉडलिंग महिला का कार्यक्रम होगा।

विभिन्न समस्याओं के शिकायत हेतु रांची जिला द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर में मांडर के उत्कर्ष तिवारी ने सड़क में गड्ढों एवं छात्राओं से छेड़खानी के विषय पर की शिकायत दिया सुझाव

मांडर - जिला उपायुक्त के द्वारा विभिन्न समस्याओं के शिकायत एवं सुझाव के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया था अभी तक हजारों की संख्या में शिकायत दर्ज कर दी गई है और समस्या का समाधान भी हुआ है किसी कड़ी में मांडर के उत्कर्ष तिवारी ने अखबार में प्रकाशित खबर कॉलेज से लौट रही छात्रा के साथ छेड़खानी एवं रांची डाल्टनगंज मार्ग में दर्जनों गड्ढों को लेकर शिकायत की है। उन्होंने सुझाव भी दिया है कि पीसीआर वैन की गश्ती एवं संख्या को बढ़ाया जाए।प्रमुख स्थानों पर पावरफुल सीसीटीवी कैमरा लगाया जाए। जिला प्रशासन द्वारा शिकायत दर्ज करके उचित कारवाई करने करने की बात कही गई है शिकायत नंबर इस प्रकार हैCOMPLAIN NO. 1058

बिजली ट्रांसफार्मर की समस्या से बिजली उपभोक्ताओं को हुई परेशानी

साहिबगंज : सदर प्रखंड के हाजीपुर राजगांव भीठा में स्थित बिजली ट्रांसफार्मर में खराबी होने से बिजली उपभोक्ताओं को हुई परेशानी। मिली जानकारी के अनुसार ट्रांसफार्मर से कभी बिजली ज्यादा वोल्टेज निकल रही है और कभी कम जिसके चलते गांव के कई लोगों का लाइट, मोबाइल चार्ज इत्यादि खराब हो चुका है । जबकि बिजली व्यवस्था पर सुध लेने वाला और बिजली संकट को दूर करने के लिए क्षेत्र में कोई बिजली मिस्त्री बहाल नहीं किया गया है। हालांकि क्षेत्र में अखिलेश मंडल करके एक लोकल मिस्त्री क्षेत्र के बिजली व्यवस्था में लगा रहता है लेकिन इस मिस्त्री का भी हाल बदतर है कई बार फोन करने के बावजूद भी फोन रिसीव नहीं करना समय पर बिजली खराब होने वाले स्थान पर नहीं पहुंचाना जैसी बात है । ऐसे बदहाल ग्रामीण बिजली व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। बिजली उपभोक्ताओं को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के अधिकारी से ग्रामीणों ने अनुरोध किया है की बिजली समस्या को दूर किया जाय।

कथा में शरीर से बैठना बैठना नहीं बल्कि मन बुद्धि चित को कथा में लगाना बैठना होता है : स्वामी श्री राम प्रपन्नाचार्य जी

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए

भागवत कथा ब्यास से श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कथा में सिर्फ शरीर से उपस्थित होना सिर्फ फलदाई नहीं होता बल्कि कथा में मन बुद्धि चित से ध्यान लगाना ही पूर्ण बैठना होता है। कथा व्यास से श्रोताओं को संबोधित करते हुए बताया कि अहंकार वश कोई कार्य नहीं करना चाहिए जैसे अहंकार बश राजा दशरथ ने श्रवण कुमार को वाण मारे उसका फल उन्हें अपने पुत्र वियोग के रूप में मिला। हनुमान जी को अहंकार हुआ कि लक्ष्मण के लिए मेरे अलावे कोई संजीवनी लेकर नहीं आएगा। हनुमान जी को अपने बल की अभिमान हो गया था जिसके कारण उन्हें भरत जी के वाण से नीचे गिरना पड़ा। भगवान के कृपा का अवलंबन लेकर ही मनुष्य महान बनता है। भागवत को मुंह से नहीं कान से पियो, वार वार पियो ये आपका कल्याण कर देगा। जिस सुकदेव जी को माया खींच नहीं सका उस सुकदेव जी जैसे निवृति पारायण संत को भागवत की श्लोक ने वेद व्यास के आश्रम में भागवत सीखने के लिए खींच लिया इतनी शक्ति है भागवत के अश्लोकों में। यही सुकदेव जी ने आगे चलकर भागवत कथा राजा परीक्षित को सुनाया जिससे उन्हें तक्षक काटने के बाद मुक्ति मिली। पद , पैसा, प्रतिष्ठा और परिवार झगड़ा के ये चार मुख्य कारण है। स्वामी जी ने बताया कि मन अगर रोगी है तो तन कभी स्वस्थ नहीं रहेगा जैसे दुर्योधन का मन रोगी हो चुका था। दुर्योधन ने कुटिलता वश युधिष्ठिर को जुआ खेलने के लिए आमंत्रित किया जो वैदिक कर्म के विरुद्ध था, और जिसका परिणाम कुल विध्वंश के रूप में हुआ। इसलिए मानव को सदैव अधम कार्यों से बचना चाहिए। कथा के आयोजक एवं बिट्रीज बायो रेमेडीज के मैनेजिंग डायरेक्टर निखिल कुमार ने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन की कथा में तन मन धन से शामिल होने का आह्वान किया। कथा व्यवस्था से जुड़े शिक्षक नीरज कुमार, सेशांक खिलौशकर, रणवीर सिंह,कुंवर सिंह रोहित सिंह लोगों ने भी कथा की सफलता पूर्वक संचालन पर खुशी व्यक्त किया और श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होने का आग्रह किया।

अंडरपास नहीं बनाने से ग्रामीण आक्रोशित, काम बंद कराया

भागलपुर/निबराज आलम

सुलतानगंज मिजाचौकी-मुंगेर फोरलेन सड़क निर्माण कार्य कई माह से बंद था. एसडीओ के निर्देश पर पुनः काम शुरू करने के लिए निर्माण कंपनी में कार्यरत कर्मी सड़क निर्माण कार्य शुरू करने मिरहट्टी गांव पहुंचे. कार्यस्थल पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गयी. सड़क निर्माण कार्य शुरू होने की सूचना मिलते सैकड़ों नाराज ग्रामीण एकत्रित होकर मिरहट्टी गांव के समीप फोरलेन पर अंडरपास का निर्माण नहीं होने से निमार्णाधीन फोरलेन कार्य को बंद करा दिया. आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ में नारेबाजी की. ग्रामीणों ने एकजुट होकर कहा कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी, तब तक कार्य बाधित रहेगा. सूचना पर पहुंचे अधिकारी समझाने का किया प्रयास सूचना मिलते ही एएनएचआई इंजीनियर मनीष कुमार, सड़क निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष पांडे, सीओ रवि कुमार व थानाध्यक्ष प्रियरंजन मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया. कई घंटे बीतने के बाद भी ग्रामीण नहीं माने. अंडरपास पुल बनाने की ग्रामीण की है मांग विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि मिरहट्टी गांव के सामने अंडरपास पुल बनाने की मांग की गयी है. ग्रामीणों ने जिलाधिकारी, एनएचएआई अधिकारी, परियोजना पदाधिकारी समेत कई पदाधिकारी को पूर्व में अवगत कराया था. बावजूद अंडरपास का निर्माण नहीं किया जा रहा है. मुखिया अशोक यादव ने बताया कि गांव से बहियार आने-जाने का एकमात्र रास्ता है. पूर्व में भी अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि अंडरपास दिया जायेगा. निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है, मगर अंडरपास नहीं दिया जा रहा है. कई बार विभागीय पदाधिकारी को आवेदन दे चुके हैं. अब तक सुनवाई नहीं हुई है. अंडर पास नहीं बनाने पर ग्रामीण व किसानों को खेती करने के लिए करीब एक से डेढ़ किलोमीटर घूम कर जाना होगा, जिससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. मौके पर मौजूद तैनात दंडाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि एजेंसी की ओर से प्रस्ताव रखा गया है, लेकिन स्वीकृति नहीं मिली है. क्योंकि सर्विस रोड और जंक्शन यहां पर दिया गया है. जिस जगह ग्रामीण अंडरपास की मांग कर रहे हैं वहां से 1200 मीटर की दूरी पर अंडर पास है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी नहीं होगी.

19 से 23 दिसंबर 2024 तक प्रशासन गांव की ओर अभियान

प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारी गांव गांव जाकर सुनेंगे आमजनों की समस्याएं

दिव्य दिनकरः संवाददाता

चतरा। जिले भर में 19 दिसंबर 2024 से 23 दिसंबर 2024 तक चलेगा प्रशासन गांव की ओर महा अभियान। उक्त अभियान के माध्यम से प्रखंड मुख्यालय के अधिकारी गांव गांव जाकर आमजनों के समस्याओं का निष्पादन करेंगे। साथ ही वैसे मामले जो लंबे समय से लंबित है उसका भी निष्पादन किया जाएगा। प्रशासन गांव की ओर महा अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त रमेश घोलप के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार एवं अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ ऑनलाइन बैठक की। बैठक में सर्वप्रथम सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत आदिम जनजाति परिवारों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर के माध्यम से जितने भी आवेदन प्राप्त हुए हैं उसका नियमसंगत शत प्रतिशत निष्पादन करें। जिससे सभी पात्रता रखने वाले आदिम जनजाति परिवारों को योजनाओं का लाभ मिल सके। सभी प्रकार के सर्टिफिकेट व प्रमाणपत्र से संबंधित मामले का निष्पादन करते हुए ऑनलाइन सभी को अपडेट करने का निर्देश दिया गया। आगे उन्होंने कहा भारत माला परियोजना से संबंधित समस्याओं के निष्पादन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में जो भी शिविर लगाए जा रहे है उसमें जमीन अधिग्रहण व प्रभावित रैयतों को राशि भुगतान समेत अन्य मामलों में निष्पादन से संबंधित सूची भी उपलब्ध कराने की बात कही। साथ ही कहा प्रशासन गांव की ओर अभियान के माध्यम से आमजनों से प्राप्त शिकायत व निष्पादित मामलों को गहन समीक्षा की जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान को लेकर नगर मंडल में कार्यशाला आयोजित, हरेक को मिला सदस्य बनाने का लक्ष्य

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर भाजपा नगर के अग्रहरि आश्रम में नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान को लेकर बुधवार को कार्यशाल किया गया। इसमें नगर प्रभारी विजया सिंह ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े ने कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान जोर शोर से चलाने के लिए आज नगर मंडल स्तरीय कार्यशाला हुआ जिसमें जिला से नियुक्त प्रभारी विजया सिंह शामिल हुए 22 दिसंबर से शक्ति केन्द्रो पर सदस्यता अभियान की शुरूआत हो जाएगी। 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर बूथ स्तरीय सदस्यता अभियान प्रारंभ होगा जो 14 जनवरी 2025 तक चलेगा। सक्रिय सदस्यता लेने के लिए 50 लोगों को पार्टी का प्राथमिक सदस्य बनाना अनिवार्य होगा। और कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान देश स्तर पर सितंबर से ही प्रारंभ हो गया था, लेकिन झारखंड में चुनाव के कारण यह अब शुरू हो गया है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ होते हैं नई चुनौतियों के साथ कार्यकर्ता संकल्पित समर्पण भावना के साथ सदस्यता अभियान में नई पीढ़ी के साथ जुड़ जाए बड़ी-बड़ी जीत के लिए कभी-कभी छोटी-छोटी हार का सामना तो करना ही पड़ता है, सदस्यता अभियान का यही मुख्य उद्देश्य है। राष्ट्रवाद से प्रेरित भाजपा के कार्यकर्ता सदस्यता का लक्ष्य पूरा करें और संगठन को और मजबूत करें। भाजपा एक राजनीतिक पार्टी ही नहीं विचार है जो सत्ता के लिए ही नहीं समाज और राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही कार्यशाला में नए सदस्य बनाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रत्येक मंडल पदाधिकारी मंडल मोर्चा के पदाधिकारी250, बूथ अध्यक्ष को 200 जिला पदाधिकारी मोर्चा के जिला पदाधिकारी कार्यसमिति को 500

नए सदस्य बनाने का लक्ष्य भी दिया गया।

मौके पर जिला सहसंयोजक सह नगर प्रभारी विजया सिंह ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को सदस्यता अभियान को संगठन के महापर्व के रूप में मनाना है। पार्टी ने लोगों को सदस्य बनाने के लिए चार तरह की व्यवस्थाएं की हैं। इसमें ऑनलाइन, नमो एप, क्यूआर कोड और एवं मिस कॉल से मिलने वाला लिंक का फार्म भरकर सदस्य बनाया जा सकता है। प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अपने बूथ से 200 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। कार्यशाला में वक्ताओं का कहना था कि भाजपा ही एकमात्र ऐसा संगठन है, जिसमें हरेक कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे जनहित एवं लोक कल्याणकारी कार्यों की बदौलत आज संगठन विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बना है। इस गौरव में जमीनी स्तर के हरेक कार्यकर्ता की अहम भूमिका है। कार्यशाला में मुख्य रूप से पूर्व जिला महामंत्री पंकज सिंह भदोरिया,सोशल मीडिया प्रभारी अमृत मिश्रा, जिला कार्यालय प्रभारी धनंजय तिवारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष संतोष पासवान ,बलवीर राय, युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अतुल सिंह,आशीष दुबे,संजय गुप्ता,मीना झा, संध्या कुमारी,अलका सोनी , विट्टू पांडे सोनू पांडे ,अजीत सिंह, विराट सिंह,शुभम कुमार गुप्ता, मुकेश कुमार पंडित आशिष कुमार आदि नगर कार्यशाला में मौजूद थे

पहाड़िया जाति का बंध्याकरण पर रोक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पहाड़िया जाति का बंध्याकरण पर रोक के कारण देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धोवाना पंचायत से बंध्याकरण के लिए आए हुए दो व्यक्ति को वापस लौटाया। इस संबंध में सीएचसी अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा प्राधिकारी डॉक्टर कुमार अभय प्रसाद ने बताया कि पहाड़िया जातियों के लिए नसबंदी पर रोक है। क्योंकि उनकी घटती जनसंख्या को देखते हुए झारखंड सरकार के द्वारा उसके बंध्याकरण पर रोक लगा दी गई है। जानकारी हो कि बुधवार को सीएचसी अस्पताल में बंध्याकरण को लेकर शिविर आयोजित की गई थी। जिसमें उक्त दो व्यक्ति बंध्याकरण के लिए सीएचसी अस्पताल पहुंचे थे। जिसका नसबंदी नहीं कराया गया और नियम की जानकारी देकर वापस लौटा दिया।

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा पूर्वी मण्डल की बैठक संपन्न

भाजपा की नीति को जन जन तक पहुंचाएं, सबका साथ सबका विकास ही पार्टी का लक्ष्यः मनोज यादव

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

चौपारण प्रखंड के पंचायत सचिवालय सेलहारा में संगठन महापर्व के अवसर पर सदस्यता अभियान के लिए बुधवार को पूर्वी मंडल की बैठक हुई।अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चन्द्रवंशी ने की। बैठक में मुख्यरुप से बरही विधायक मनोज कुमार यादव व प्रभारी सह जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि भाजपा जन जन से जुड़ी पार्टी है। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए युवाओं, महिलाओं को पार्टी से जोड़ें। भाजपा के नीति सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचायें। पार्टी सबका साथ, सबका विकास चाहती है और ये तभी संभव है, जब अधिक से अधिक लोग पार्टी की विचारधारा से जुड़ें। बैठक में मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, पूर्व अध्यक्ष राजदेव यादव, जीप सदस्या आरती कौशल, मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चनद्रवंशी, महामंत्री बालेश्वर साव, अरविंद सिंह, भाजपा नेता गजाधर प्रसाद, सुनील सिंह, आशीष सिंह, नरेन्द्र पांडेय, विजय यादव, संजय सिन्हा, बिनोद यादव, युवा अध्यक्ष रंजन सिंह, अरविंद साव, महिला मोर्चा अध्यक्ष बसंती देवी, मुखिया मंटू सिंह, अनिता देवी, मुखिया प्रतिनिधि मोहन साव, प्रवीण सिंह, सुदेव यादव, मनोज कुमार, पिन्टू सोनी, रविन्द्र कुमार, ब्रहमदेव रवीदास, रंजीत भुईंया आदि मौजूद रहे।

जाम की समस्या के निदान को लेकर युवा वर्ग आए आगे, दुकानदारों से की बात

मंडरोः- मंडरो प्रखंड क्षेत्र के मिजाचौकी हाट बाजार सड़क में आए दिन जाम के समस्या को देखते हुए बाजार क्षेत्र के युवा वर्ग के द्वारा बाजार भ्रमण कर जाम से निजात हेतु बाजार के दुकानदार बंधु से उनके दुकान तक पहुंच कर बुधवार को वार्ता किया।तथा जाम नहीं लगे इसका पहल किया गया।साथ ही सड़क पर लगने वाले सब्जी फल के दुकानदार जो क्षेत्र के किसान बंधु हैं वो बाजार के सड़क पर अपनी दुकान लगाते है है जिससे की बाजार करने आए ग्राहक को जाम जाम सड़क से जूझना पड़ता है।इसे में सब्जी दुकानदार बंधु से आग्रह किया गया की सभी सब्जी की दुकान को हाट बाजार के प्रांगण में लगाएं ताकि जाम से निजात भी मिल जाय एवं और रोजाना हाट बाजार की रौनक बनी रहे।चुकी मिजाचौकी बाजार का सोमवार तथा गुरुवार को हाट लगता है इन दो दिन को छोड़ कर रोजाना अपनी सब्जी की दुकान हाट बाजार में लगा सकते हैं।चुकी इस समस्या को लेकर बाजार के दुकानदार भी आए दिन लगने वाले जाम से परेशान रहते हैं ऐसे में अपनी सहमति जताते हुए इस निदान का समर्थन किया इस जाम से निजात हेतु बाजार के युवा शक्ति में विष्णु भगत , मुनींद्र भगत ,कपीलमुनि भगत ,विष्णु वर्मा ,सुगंध वर्णवाल ,रवी सोनी , रिशु भगत,महेश पंडित समेत अन्य मौजूद थे।

बोआरीजोर प्रखंड सभागार में झामुमो विधायक का किया गया भव्य स्वागत

साहिबगंजः बोरियो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बोआरीजोर प्रखंड के सभागार में झामुमो विधायक धनंजय सोरेन के स्वागत समारोह आयोजन रखा गया । झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता द्वारा विधायक को फुल का माला गुलदस्ता बुके देकर स्वागत किया गया ।विधायक द्वारा बताया गया क्षेत्र में हर समस्या को दूर किया जाएगा क्षेत्र का जनता अपनी समस्या को लेकर अवगत करा सकते हैं। हर समस्या का सामाधान किया जाएगा मौके पर बोआरीजोर प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील मरांडी , प्रखंड सचिव सा मीडिया प्रभारी निसार अहमद, उपाध्यक्ष सुभान अंसारी, युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष वॉल्सन सोरेन, सचिन रफीक अंसारी, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अकमल अंसारी, सचिव करीम अंसारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष वॉलेट मेरी मुर्मू , जिला कार्यकारिणी सदस्य मानस दत्त, जिला महिला मोर्चा सचिव मेरी सोरेन, प्रखंड उपाध्यक्ष महिला अनीता सोरेन, सचिव सुनीता मुर्मू, जिला कार्यकारिणी सदस्य दिलदार अंसारी, युवा नेता मुन्ना मरांडी, वरिष्ठ कार्यकर्ता महेंद्र हंसदा ,प्रखंड प्रमुख जसिता हेंब्रम, धनीराम सोरेन, विनोद मुर्मू, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ठाकुर,गोपीनाथ मरांडी, जाकिर अंसारी, बिहारी किसकु, विष्णु सा, रहीम अंसारी , अहमद अंसारी ताहिर अंसारी, सोनेलाल मुर्मू, अख्तर अंसारी जाकिर अंसारी, नितलाल सोरेन, मकबूल अंसारी, संतोष ठाकुर, शाबान अंसारी, सज्जाद अंसारी, उत्तम चौड़े , सूरज मराठी, गणेश टूटू , शिवनंदन हंसदा, खालिद अंसारी, अनुशील हेंब्रम , नुद्दीन अंसारी, मुजफ्फर अंसारी, अली हुसैन अंसारी, जियाउल अंसारी, मिस्त्री सोरेन, आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

आयुष्मान आरोग्य मन्दिर का असमाजिक तत्वों ने ताला तोड़ सामान किया तितरबितर

इसी मंदिर का पूर्व में हो चुका है मोटर की चोरी

मंडरोः- मिजाचौकी थाना क्षेत्र के तेतरिया पंचायत के आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के मुख्य दरवाजा का ताला तोड़ कर अंदर स्वास्थ उपकरण के तिरारबितर करने का मामला प्रकाश में आया है ।जहां घटना के बारे में उक्त स्वास्थ केंद्र में कार्यरत नर्स पूनम के द्वारा मिजाचौकी थाना को जानकारी दी है ।जहां घटना के जांच हेतु मिजाचौकी थाना के एएसआई अरुंजय के द्वारा घटना स्थल की जांच की गई ।चुकी दरवाजा का ताला तोड़ दिया गया था , स्वास्थ उपकरण को फेंक दिया गया था किंतु किसी समान के चोरी होने की बात सामने नहीं आया था जिसके बाद जांच टीम वापस आ गई ।ज्ञात हो की कुछ महीने पूर्व में उसी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के पास से सरकारी मोटर की चोरी कर ली गई थी और अब पुनः इस घटना का अंजाम देना कहीं न कहीं असामाजिक तत्वों का मनोबल के बढ़ावे का इशारा कर रहा है।

आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सिमोनियन ने राज्यसभा के सभापति धनखड़ से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष एलन सिमोनियन ने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से संसद भवन में मुलाकात की। दोनों की चर्चा के मुख्य विषय अंतर-संसदीय संबंध, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और द्विपक्षीय हित के अन्य विषय थे। धनखड़ ने एक्स पोस्ट में कहा कि चर्चा लोकतंत्रों के बीच इतिहास में निहित दीर्घकालिक संबंधों पर केंद्रित रही और द्विपक्षीय व्यापार एवं संपर्क को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया गया। दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने में भारत और आर्मेनिया के बीच संसदीय आदान-प्रदान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सिमोनियन ने भारतीय संसद के उच्च सदन का भी दौरा किया और मानद अतिथियों की विजिटर बुक में एक नोट लिखा। भारत की आधिकारिक यात्रा पर आये आर्मेनिया के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने इससे पहले सोमवार को आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सिमोनियन के नेतृत्व में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात की थी।

आईपीयू में एआई, मशीन लर्निंग और आईओटी के अनुप्रयोग पर एफ़डीपी का आयोजन

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी के सौजन्य से दो सप्ताह का एडवांस्ड फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) टेक्नोलॉजिकल ब्रेकथ्रू के लिए जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग और आईओटी का उपयोग विषय पर आयोजित किया जा रहा है।इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो महेश वर्मा और दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के कुलपति प्रो प्रतीक शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इसे यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (यूएसआईसीटी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। देश भर के 1000 से अधिक आवेदकों में से केवल 25 संस्थानों को एआईसीटीई द्वारा ऐसे एफडीपी की मेजबानी के लिए चुना गया था, जिसमें आईपीयू भी शामिल था। इस एफडीपी का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण, अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग और आईओटी को एकीकृत करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो महेश वर्मा ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। वहीं प्रो प्रतीक शर्मा ने कहा कि जनरेटिव एआई और आईओटी के पास दबाव डालने वाली वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता है।

विशाखापट्टनम में शुरू हुआ भारत-श्रीलंका का द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'स्लिनेक्स'

नई दिल्ली। पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में श्रीलंका और भारत के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'स्लिनेक्स' शुरू हुआ। विशाखापट्टनम में 20 दिसंबर तक चलने वाला यह अभ्यास दो चरणों में होगा। इसमें 18 दिसंबर तक बंदरगाह चरण और 19 दिसंबर से समुद्री चरण होगा। यह द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों का महत्वपूर्ण संस्करण है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग को मजबूत किया है। अभ्यास में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का जहाज आईएनएस सुमित्रा, एक अपतटीय गश्ती पोत विशेष बल के साथ शामिल हो रहा है। इसी तरह श्रीलंका से एसएलएनएस सयूरा, एक अपतटीय गश्ती पोत विशेष बल के साथ अभ्यास में शामिल होगा। सुकन्या श्रेणी का ओपीवी 'स्लिनेक्स' के 11वें संस्करण के लिए विशाखापट्टनम पहुंच गया है। अभ्यास के आज हुए उद्घाटन समारोह के साथ बंदरगाह चरण की शुरुआत हो गई है। इस समुद्री अभ्यास का मकसद सुरक्षित, संरक्षित और नियम-आधारित समुद्री वातावरण को बढ़ावा देना है। इस चरण के दौरान प्रतिभागी नौसेनाएं आपसी समझ को मजबूत करने के लिए पेशेवर और सामाजिक आदान-प्रदान में संलग्न होंगी। इसके बाद 19 दिसंबर को शुरू होने वाले समुद्री चरण में विशेष बलों के संचालन, बंदूक फायरिंग, संचार अभ्यास, नाविक अभ्यास, नेविगेशन विकास और हेलीकॉप्टर संचालन सहित संयुक्त अभ्यास शामिल होंगे। पिछले कुछ वर्षों में स्लिनेक्स का दायरा बढ़ा है, जिससे दोनों नौसेनाओं को अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में मदद मिली है। वर्ष 2024 के इस संस्करण का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री संबंधों को और मजबूत करना है।

भाजपा ने नरेश बाल्यान को झूठे केस में फंसाकर भेजा जेल : पूजा बाल्यान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल होने हैं। उससे पहले ही दिल्ली में सियासत तेज हो गई है। दिल्ली की उत्तम नगर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार पूजा बाल्यान ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनके पति नरेश बाल्यान को झूठे केस में फंसाकर जेल भेजा है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार पूजा बाल्यान ने खास बात की। उन्होंने कहा कि मैं यह चुनाव सच्चाई पर लड़ रही हूं। मेरे पति के साथ जो अन्याय हुआ है, उसके खिलाफ ही चुनाव लड़ा जा रहा है। मेरे पति के साथ जो षड्यंत्र रचा गया है, उस षड़यंत्र का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, राजनीति का स्तर इतना गिर गया है कि उन्होंने एक निर्दोष आदमी को मोहरा बना दिया है।

कांग्रेस ने संविधान को भी निजी जागीदारी समझाः अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी संविधान और संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर का सम्मान नहीं किया और साथ ही आरक्षण एवं धर्मनिरपेक्षता का ही सम्मान रखा। पार्टी ने संविधान को भी निजी जागीदारी समझा और आज केवल वोट पाने के लिए संविधान लहराती है और आरक्षण की बात करती है। संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के तहत सोमवार और राज्यसभा में चर्चा हुई। इस चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने देश में 55 साल राज किया और 77 संविधान संशोधन किये जबकि भारतीय जनता पार्टी ने 16 साल राज

किया और 22 बार संविधान को संशोधित किया। कांग्रेस का जहां संविधान संशोधन के पीछे उद्देश्य अपनी सत्ता और वोट बैंक को बचाना था वहीं भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य एकता बढ़ाना और पिछड़ों को आगे लाना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद जी और महर्षि अरविंद जी की भविष्यवाणी आज सच हो रही हैं। भारत माता अपने दिव्यमान और ओजस्वी स्वरूप में खड़ी हैं और पूरी दुनिया उसकी अद्भुत शक्ति एवं प्रगति को देखकर चकित रह गई है। गृह मंत्री ने इस दौरान कांग्रेस की ओर से लाए गए कुछ संविधान संशोधनों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि इसमें अभिव्यक्ति की आजादी छीनी गई। प्रधानमंत्री को न्यायिक जांच से बाहर किया गया, देश की विधानसभा का कार्यकाल 5 से 6 साल किया गया और राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाई गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने अपने संविधान संशोधनों में वस्तु एवं सेवा कर लाए, पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

उर्दू डेवलपमेंट आर्गनाइज़ेशन ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, एनसीपीयूएल की गवर्निंग बॉडी के गठन की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। उर्दू डेवलपमेंट आर्गनाइज़ेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सैयद अहमद खान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) जैसी महान संस्था को बर्बाद होने से बचाने की अपील की है।

उन्होंने देश में उर्दू भाषा के विकास और उत्थान के लिए केन्द्र सरकार के जरिए स्थापित किए जाने वाले इस संस्थान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि एशिया ही नहीं पूरे उर्दू जगत में भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ाने वाली इस परिषद को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस मामले पर आश्चर्य व्यक्त किया कि परिषद के उपाध्यक्ष का पद तीन साल से खाली पड़ा रहने के कारण यह संस्थान पूरी तरह से ठप हो गया है, जिसकी वजह से परिषद के गठन का मकसद ही समाप्त होता जा रहा है और उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए परिषद पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। इसलिए यथाशीघ्र परिषद की गवर्निंग बाडी का गठन कर उपाध्यक्ष की नियुक्ति की जानी चाहिए ताकि उर्दू जगत में परिषद की जो प्रतिष्ठा एवं गौरव कायम है, उसे बरकरार रखा जा सके। उर्दू जगत में भारत का नाम रोशन करने में एनसीपीयूएल की बहुत अहम भूमिका है। इस लिए संस्थान को जानबूझकर नष्ट किए जाने से बचाया जाना चाहिए।

हज यात्रा के लिए 500 खुशनसीब महरम महिला यात्रियों का हुआ चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने महरम कोटे की 500 महिलाओं का लकी ड्रॉ करके चयन किया है। इसमें सबसे अधिक महाराष्ट्र की महिलाओं को हज पर जाने का मौका मिला है। देश भर से महरम श्रेणी में कुल 739 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसका आज कंप्यूटराइज्ड तरीके से लकी ड्रॉ कर के चयन किया गया। इसमें महाराष्ट्र से 92, केरल से 63, कर्नाटक से 56, उत्तर प्रदेश से 46, गुजरात से 41, मध्य प्रदेश से 34, तेलंगाना से 31, जम्मू-कश्मीर से 26, राजस्थान से 22, तमिलनाडु से 18, दिल्ली से 16, पश्चिम बंगाल से 15, आंध्र प्रदेश से 10, बिहार से 9, छत्तीसगढ़ से 4, असम, हरियाणा और दादर-नगर हवेली से 3-3, लक्षद्वीप और उत्तराखंड से 2-2 तथा अंडमान-निकोबार और पुदुचेरी से 1-1 महिला यात्रियों का चयन हुआ है। चयनित यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर उपलब्ध है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने महरम कोटे में चयनित महिला यात्रियों और वेटिंग लिस्ट में शामिल यात्रियों से अपील की है कि वे 30 दिसंबर 2024 तक हज खर्च की पहली और दूसरी किस्त की कुल राशि 2,72,300 रुपये जमा कराने की कोशिश करें। पूर्व में चयनित उन सभी यात्रियों को भी 30 दिसंबर तक राशि जमा करने की सुविधा दी गई है जिन्होंने अभी तक दूसरी किस्त 1,42,000 रुपये जमा नहीं किया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने भुगतान के लिए ई-पेमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। हज यात्री हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट या हज सुविधा ऐप पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ खतरों से बचाने के लिए 'किसान कवच' लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत का स्वदेशी कीटनाशक रोधी सूट 'किसान कवच' लॉन्च किया। किसान कवच किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाएगा। इसकी कीमत चार हजार रुपये है और इसे 150 बार धोया जा सकता है। यह कवच लगभग दो साल तक चलेगा।यह कवच खास कपड़े और तकनी से बना है सूट है। नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में मीडिया को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कुछ किसानों को किट दिए। इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह कवच किसानों को बीमारियों से बचाएगा। यह प्रीवेंटिव तकनीक है। इसकी कीमत अभी 4 हजार रुपये है लेकिन आने वाले दिनों में इसकी कीमत में कमी

आएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के स्वास्थ्य के लिए यह कवच उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

उल्लेखनीय है कि किसान कवच किट को बेंगलुरू की कंपनी बीआरआईसी इंस्टेम ने सेपियो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया है। कीटनाशक रोधी बॉडीसूट किसान कवच किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ खतरों से बचाने में मदद करेगा। कंपनी की ओर से कहा गया है कि किसान कवच अपनी श्रेणी की पहली तकनीक है। इस बॉडीसूट में ऐसे कपड़े और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कीटनाशक को शरीर में जाने से रोकता है और खतरनाक तत्वों को नष्ट कर देता है।

किसान देश में लगभग 65 फीसदी लोग सीधे कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में लगे हुए हैं। भारत और विकासशील देशों के किसान खेतों में छिड़काव करते समय त्वचा और नाक के रास्ते जहरीले कीटनाशकों के संपर्क में आते हैं। कीटनाशकों में न्यूरोटॉक्सिन होते हैं, जो ह्यूमन बॉडी को खतरनाक बीमारियों से ग्रसित कर देते हैं। इससे बुखार, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, सांस लेने में दिक्कत, देखने में दिक्कत जैसे खतरे देखने को मिलते हैं।

राज्यसभा में चर्चा के दौरान पक्ष-विपक्ष ने संविधान को बताया सर्वोपरि और एक - दूसरे को बताया उससे खिलवाड़ करने वाला

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री और जेडी (एस) नेता एच.डी. देवेगौड़ा ने सदन को इस बात पर विचार करने का आह्वान किया कि क्या जाति के आधार पर आरक्षण दिया जाना जारी रखा जाना चाहिए या इसे आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन को खुद इस पर विचार करना होगा कि अतीत में क्या हुआ था और क्या हमें इस देश में सिर्फ गरीबी के आधार पर आरक्षण देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारे द्वारा अतीत में दिए गए आरक्षण के बावजूद लोग पीड़ित हैं। इससे उन लोगों को कोई राहत नहीं मिली जो अभी भी दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' पूर्व प्रधानमंत्री ने आपातकाल को इतिहास का काला दौर बताया। उन्होंने कहा कि पचास साल पहले, जब आपातकाल घोषित किया गया था, तो इस देश का लगभग पूरा राजनीतिक विपक्ष जेल भेज दिया गया था। देवेगौड़ा ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, मुझे भी जेल भेजा गया था। मेरे कारावास के मानसिक दबाव ने मेरे पिता पर भारी असर डाला और आखिरकार उनका निधन हो गया। यह उन लोगों के लिए एक दर्दनाक

समय था जो लोकतंत्र में विश्वास करते थे और अपनी राजनीतिक मान्यताओं पर अडिग थे। उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान ही देश को उन स्वतंत्रताओं और आजादी का अहसास हुआ, जिनकी गारंटी संविधान ने हमें दी है। उन्होंने युवा पीढ़ी से लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए उस दौरान किए गए बलिदानों को याद रखने का आग्रह किया। देवेगौड़ा ने कहा कि संविधान उनके लिए सब कुछ है। यदि एक गरीब किसान का बेटा, एक सुदूर गांव से और जाति व्यवस्था के सबसे निचले तबके से, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सका, तो यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमारे संविधान ने इसे संभव बनाया। राज्यसभा में संविधान पर बहस में समानता के अधिकार पर बोलते हुए तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव ने कहा कि 1 प्रतिशत आबादी के पास 40 प्रतिशत संपत्ति है।

पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त, अपराधियों के हौसले बुलंदः चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कड़ी नाराजगी जताई है। चुघ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब वे पुलिस थानों तक को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आज तड़के अमृतसर के इस्लामाबाद थाने में हुए धमाके को भगवंत मान सरकार की नाकामी और आम आदमी पार्टी के कुशासन का सीधा नतीजा बताया। चुघ ने कहा कि ऐसी घटनाएं साबित करती हैं कि पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और अपराधियों के मन में कानून और प्रशासन का कोई डर नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनावों के समय पर इस तरह की घटनाएं यह दिखाती हैं कि आम आदमी पार्टी का शासन पूरी तरह से विफल हो चुका है। इस विस्फोट के बाद पंजाब के लोगों के दिलों में भय का माहौल बन गया है। केजरीवाल और भगवंत मान को इस पर जवाब देना चाहिए कि आखिर प्रदेश को किस दिशा में ले जाया जा रहा है? चुघ ने इस घटना के तुरंत बाद इस्लामाबाद थाने का दौरा कर

स्थिति का जायजा लिया और पुलिस प्रशासन से इस मामले पर जवाब तलब किया। उन्होंने कहा कि गुरु नगरी की देवतुल्य जनता अपने बहादुर पुलिस जवानों के साथ खड़ी है। लेकिन अगर पुलिस थानों पर ही हमले होने लगें तो यह भगवंत मान सरकार के लिए चेतावनी की घंटी है। दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और इसके पीछे की साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। चुघ ने कहा की भगवंत मान ने जब से पंजाब के मुख्यमंत्री की कमान संभाली हैं, प्रदेश की कानून व्यवस्था को ग्रहण लग गया है, कभी गैंगस्टर जेलों से इंटरव्यू दे रहे होते है तो कभी माफिया खुले आम रंगदारी मांग रहे होते हैं, हमने देखा की पहले पंचायत चुनाव के समय कैसे हिंसा की घटनाएं हुई और अब नगर निकाय के चुनावों में भी कानून व्यवस्था का जनाजा निकला जा रहा है, ये इस महीने की चौथी घटना है जब किसी थाने में इस प्रकार की घटना हुई है।

विष्णुदत्त शर्मा ने गिनवाई नई शिक्षा नीति की उपलब्धियां, कहा- मोदी सरकार ने शिक्षा का किया भारतीयकरण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष और खजुराहो से सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने राजधानी दिल्ली में आयोजित पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उपलब्धियां गिनवाईं। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने शिक्षा का वामपंथीकरण, तुष्टीकरण किया था जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने शिक्षा का भारतीयकरण किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। नई शिक्षा नीति को लागू करते हुए शिक्षा को समावेशी, सुलभ और वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है।

नई शिक्षा नीति से छात्रों की संख्या में वृद्धि

भाजपा सांसद ने कहा कि इस शिक्षा नीति के लागू होने से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछ?ा वर्ग के छात्रों की संख्या में भी 50.1 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। नई शिक्षा से अनुसूचित जाति की महिला नामांकन में 61 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति में नामांकन में 75 और कुल महिला नामांकन में 96.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पूर्वांचल के क्षेत्र में भी महिलाओं की नामांकन संख्या में लगभग 43 प्रतिशत की वृद्धि होना क्षेत्र के लिए एक बेहतर प्रयास है। मान्यता प्राप्त कॉलेज की संख्या 2015 में 6241 से आज 2024 में 9807 हुई है। इसी प्रकार से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या में नई शिक्षा नीति आने के बाद दोगुनी से अधिक 120 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।वीडी शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति लाने की प्रक्रिया 2015 से शुरू हुई थी, जिसमें ढाई लाख ग्राम पंचायतों, 6600 विकासखंड, 6000 नगरीय निकाय और 6 हजार 76 जिलों से करीब दो लाख सुझावों के बाद यह नई शिक्षा नीति लाने का कार्य किया गया है। नई शिक्षा नीति व्यक्ति के समग्र विकास, सभी को सुलभ शिक्षा देने और भारत में ज्ञान आधारित समाज बनाने की परिकल्पना को साकार करने के लिए बनाया गया है। केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति में खेल आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा, एनसीईआरटी द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत जो पाठ्यक्रम, शिक्षा ढांचा तैयार किया गया है, वह बदलते समय के साथ छात्रों को शिक्षा देने के अनुकूल करने और 21वीं सदी की आवश्यकताओं को पूरा करने का कार्य करेगा। इनमें कला, विज्ञान, मानविकी विज्ञान को स्थान मिला है।

इसमें मातृभाषा आधारित शिक्षा के महत्व को स्वीकार किया गया है। शिक्षा मातृभाषा, स्थानीय भाषा और क्षेत्रीय भाषा में स्किल डेवलपमेंट का पूरा समायोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि 2022 में उच्च शिक्षा संस्थानों में कुल फैकल्टी की संख्या में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही महिला फैकल्टी की संख्या में 29.1 की वृद्धि भी हुई है। 2014-15 में उच्च शिक्षा में 3.2 करोड नामांकन था, जो वर्ष 2022 में बडकर 4.6 करोड़ हुआ है। महिला नामांकन में 30.4 प्रतिशत की वृद्धि होना यह दर्शाता है ।

भ्रामक विज्ञापन के लिए 45 कोचिंग सेंटरों को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए भ्रामक विज्ञापन के मामले में 45 कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी किया किए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीसीपीए ने 19 कोचिंग संस्थानों पर 61,60,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है और उन्हें भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं को बंद करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि सीसीपीए ने 13 नवंबर को कोचिंग सेंटरों को माल या सेवा की बिक्री को बढ़ावा देने और भ्रामक या अनुचित प्रथाओं में संलग्न होने के लिए झूठे या भ्रामक दावे व विज्ञापन करने से रोकने के लिए कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापन की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश, 2024 जारी किए हैं। वर्मा ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के माध्यम से यूपीएससी सिविल सेवा, आईआईटी और अन्य प्रवेश परीक्षाओं के लिए नामांकन कराने वाले छात्रों और उम्मीदवारों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए मुकदमेबाजी से पहले के चरण में सफलतापूर्वक हस्तक्षेप किया है। विभिन्न कोचिंग सेंटरों द्वारा अनुचित व्यवहार, विशेष रूप से छात्रों व अभ्यर्थियों की नामांकन फीस वापस न करने के संबंध में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन में दर्ज की गई कई शिकायतों के बाद, एनसीएच ने प्रभावित छात्रों को कुल 1.15 करोड़ रुपये की वापसी की सुविधा प्रदान करने के लिए मिशन-मोड पर इन शिकायतों को हल करने के लिए एक अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता मामले विभाग प्रगतिशील कानून बनाकर उपभोक्ता संरक्षण और उपभोक्ताओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रहा है। वैश्वीकरण, प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स बाजार आदि के नए युग में उपभोक्ता संरक्षण को नियंत्रित करने वाले ढांचे को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को निरस्त कर दिया गया और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया।

राहुल गांधी ने हाथरस का वीडियो जारी कर बताया, भाजपा सरकार ने नहीं पूरा किया अपना वादा : अलका लांबा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं दिग्गज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाथरस जाने का वीडियो जारी किया है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा नेबात करते हुए कहा, भाजपा सरकार ने पीड़ित परिवार के साथ धोखा किया और उसको राहुल गांधी ने उजागर किया।

अलका लांबा ने कहा, वीडियो जारी कर राहुल गांधी बताना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में हाथरस में दलित बेटी के साथ सामूहिक बलात्कार होता है और उसकी मौत हो जाती है। सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का वादा करती है। परिवार के सदस्य को सरकारी पक्की नौकरी, मुआवजा, फास्टट्रैक कोर्ट में केस चलाने और परिवार को रिलोकेट करने की बात की गई। लेकिन घटना के चार साल बाद पता चलता है कि सरकार ने इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया। परिवार कष्ट की जिंदगी जी रहा है और उसके साथ नाइंसाफी हो रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस घटना के बाद एक अक्टूबर को हाथरस पहुंचने की कोशिश की, लेकिन सरकार उन्हें रोका। लेकिन चार साल बाद राहुल गांधी को पता चला कि न्याय नहीं

मिला, तो 12 दिसंबर को परिवार से मिलते हैं और एक वीडियो भी जारी कि?या। लोगों को देखना चाहिए कि किस तरीके से पूरी सरकार एक दलित बेटी के सामूहिक बलात्कारियों को बचाने में खड़ी रही। अलका लांबा ने कहा, नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने सदन में खड़े होकर इस बात को दोहराया कि संविधान में न्याय की बात है, हम उसको दिलाकर रहेंगे। हम परिवार को रिलोकेट करने की जिम्मेदारी ले रहे हैं। उनको सुरक्षा देंगे और हाईकोर्ट में दोषियों को बरी कर दिया गया, हम अगली अदालतों में जाएंगे। लेकिन भाजपा की सरकार इस मामले में झूठ साबित हुई है। कांग्रेस नेता ने सीएम योगी घेरते हुए कहा, वो झूठे साबित हुए हैं। उन्होंने टेलीविजन चैनल पर कहा कि परिवार की सहमति के साथ दलित बेटी का अंतिम संस्कार हुआ, जो झूठ है। भाजपा शासित राज्यों में कई सारी बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डिफेंस पीएसयू के कार्यों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण व आधुनिकीकरण की भी चर्चा हुई। रक्षा क्षेत्र से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की भूमिका की भी समीक्षा की गई।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बैठक के दौरान पूर्ववर्ती आयुध निर्माणी बोर्ड के निगमीकरण के बाद बनाए गए नए डीपीएसयू की भूमिका और कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों को वित्तीय आंकड़ों, आधुनिकीकरण, पूंजीगत व्यय, निर्यात की जानकारी दी गई। इसके अलावा विकसित किए गए नए उत्पादों और मौजूदा समय के अनुसंधानों एवं विकास परियोजनाओं से अवगत कराया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण, उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को बढ़ावा देने में नए डिफेंस पीएसयू द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस तथ्य की सराहना की कि निगमीकरण के बाद नए डीपीएसयू ने उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया है।उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में इन रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) की बिक्री और लाभ में अच्छी प्रगति हुई है। इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि नए डीपीएसयू आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि डिफेंस पीएसयू विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकियों को शामिल करके गुणवत्ता, कारोबार, लाभप्रदता और अन्य वित्तीय मापदंडों में नए आयाम स्थापित करेंगे। हमारे नए डीपीएसयू रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाएंगे। नए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में मानव संसाधन से संबंधित कुछ मुद्दों पर समिति के कुछ सदस्यों ने सुझाव दिए। इन सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए रक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि डीपीएसयू के निगमीकरण से उत्पन्न सभी मुद्दों को हितधारकों के परामर्श से संबोधित किया जा रहा है। उन्होंने सुझावों की सराहना की और कहा कि कार्यान्वयन के लिए इनकी जांच की जाएगी।

सोना चांदी के भाव में कमी

इंदौर। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना तथा चांदी गिरावट लिए बताई गई। आज चांदी सिक्का स्थिर रहा। विदेशी बाजार में सोना 2640 डालर व चांदी 3030 सेन्ट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना-चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 78400 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 90700 रुपये प्रति किलोग्राम। चांदी सिक्का 1125 रुपये प्रति नग।

एस्सार की ग्रीनलाइन ने एक्साइड इंडस्ट्रीज के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। एस्सार की ग्रीन मोबिलिटी पहल का हिस्सा ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने बैटरी निर्माता एक्साइड इंडस्ट्रीज के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह सहयोग ग्रीनलाइन के पर्यावरण के अनुकूल एलएनजी-संचालित ट्रकों को एक्साइड के लॉजिस्टिक्स संचालन में एकीकृत करेगा, जो एक्साइड की आपूर्ति श्रृंखला को इसके स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रीनलाइन के एलएनजी-संचालित बेड़े को अपनाकर एक्साइड ने अपने पर्यावरण फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में एक साहसिक कदम उठाया है। ग्रीनलाइन का एलएनजी-संचालित बेड़ा उन्नत तकनीक, वास्तविक समय वाहन निगरानी, विष्यसूचक विश्लेषण और बढ़ी हुई सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। ये ट्रक पारंपरिक डीजल से चलने वाले वाहनों का लागत प्रभावी, विश्वसनीय और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं, जिनकी एक टैंक पर रेंज 1,200 किलोमीटर तक है, जो उन्हें एक्साइड की लंबी दूरी की परिवहन आवश्यकताओं के लिए आदर्श बनाता है। ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आनंद मिमानी ने कहा, यह सहयोग इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधान बैटरी उद्योग की अनूठी मांगों के साथ तालमेल बिठा सकते हैं और पर्यावरण पर मापने योग्य प्रभाव डाल सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिका रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.05 प्रतिशत लुढ़ककर 69.97 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत उतरकर 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

मारूति सुजुकी एक वर्ष में बनाये 20 लाख वाहन

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने इतिहास में पहली बार एक कैलेंडर वर्ष में 20 लाख वाहनों का उत्पादन करने की घोषणा करते हुये आज कहा कि हरियाणा के खरखौदा में 10 लाख वाहन निर्माण का संयंत्र का काम चल रहा है तथा 10 लाख वाहन उत्पादन क्षमता का एक और ग्रीन फील्ड संयंत्र लगाने के लिए स्थान का तलाश किया जा रहा है। कंपनी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि मारुति सुजुकी वर्तमान में तीन विनिर्माण सुविधाएं संचालित करती है। हरियाणा में दो (गुड़गांव और मानेसर) और गुजरात में एक (हंसलपुर)। इन सुविधाओं की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 23.5 लाख वाहन है। भारत और दुनिया भर में ऑटोमोबाइल की बढ़ती मांग की प्रत्याशा में, कंपनी अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता को 40 लाख यूनिट तक बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए, यह हरियाणा के खरखौदा में एक नई ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा स्थापित कर रही है। खरखौदा साइट पर निर्माण कार्य योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और 2.50 लाख इकाइयों की वार्षिक क्षमता वाला पहला संयंत्र 2025 में चालू होने की उम्मीद है। एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद, खरखौदा सुविधा की योजना प्रति वर्ष 10 लाख यूनिट की होगी। इसके अतिरिक्त, मारुति सुजुकी 10 लाख यूनिट की वार्षिक क्षमता वाली एक और ग्रीनफील्ड सुविधा की योजना बना रही है और इस नई सुविधा के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करने की प्रक्रिया में है।

इनोवेशन , निवेश और विशेषज्ञता द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ा रहे हैं निजी संस्थान

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों ने उच्च शिक्षा में कौशल की खामियों को दूर करने और इसे सुलभ बनाने के लिए आधुनिक दृष्टिकोण पर विचार करने की अपील करते हुये कहा है कि निजी संस्थान इनोवेशन, निवेश एवं विशेषज्ञता के द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एजुकेशन प्रोमोशन सोसाइटी फॉर इंडिया (ईपीएसआई) ने आज यहां इस विषय पर गोलमेज चर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया जहां विशेषज्ञों ने ये बातें की। इस कार्यक्रम में विचारक, नीतिनिर्माता और शिक्षा क्षेत्र के उद्यमी एक मंच पर इकट्ठा हुए, जिन्होंने भारत में उच्च शिक्षा में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि में कमी अस्थायी झटका, अर्थव्यवस्था में बेहतर ग्रोथ देखने को मिलेगी: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 5.4 फीसदी रही है। यह आंकड़ा उम्मीद से कम है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में इसमें सुधार होगा। वित्त मंत्री ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों पर अपने जवाब में कहा कि दूसरी तिमाही में वृद्धि की प्रवृत्ति एक अस्थायी झटका है और अगली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में बेहतर वृद्धि देखने को मिलेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार पूंजीगत व्यय के जरिए विकास को आगे बढ़ा रही है, ताकि अर्थव्यवस्था में इसके गुणक प्रभाव को फैलाया जा सके।सीतारमण ने कहा कि दूसरी

तिमाही भारत और दुनिया की अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतीपूर्ण रही है। पिछले तीन वर्षों में देश की जीडीपी वृद्धि औसतन 8.3 फीसदी रही है। वैश्विक मानकों के हिसाब से यह एक बेहतरीन संख्या है। वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.7 फीसदी और जुलाई-सितंबर अवधि में 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम 5.4 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर एक ''अस्थायी झटका'' है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी।सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एनडीए शासन में इस पर बेहतर नियंत्रण है, जबकि यूपीए के शासन में यह दोहरे अंक को छू गई थी। विनिर्माण क्षेत्र में कोई सामान्य मंदी नहीं है, आधे विनिर्माण क्षेत्र मजबूत वृद्धि के संकेत दे रहे हैं। अप्रैल से अक?टूबर 2024-25 के दौरान खुदरा महंगाई 4.8 फीसदी रही, यह कोरोना महामारी के बाद सबसे कम है। वित्त मंत्री ने कहा कि बेरोजगारी दर वित्त वर्ष 2017-18 में 6 फीसदी से घटकर अब 3.2 फीसदी हो गई है। वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रथम अनुपूरक मांग राशि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में काफी कम है, जो बजट निर्माण के बजट अनुमान में अधिक सटीकता दर्शाती है। लोकसभा ने चर्चा के बाद करीब 87,762 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच के सरकार के प्रस्ताव को पारित कर दिया, जिसमें 44,123 करोड़ रुपये का शुद्ध नकद व्यय शामिल है।

कैरारो इंडिया का आईपीओ 20 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 668-704 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ऑटो पार्ट निर्माता कंपनी कैरारो इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 668-704 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि कैरारो इंडिया लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा और 24 दिसंबर को बंद होगा। इस शेयर के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 19 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी की योजना इसके जरिए 1,250 करोड़ रुपये जुटाने की है। कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर 30 दिसंबर को सूचीबद्ध होंगे। कैरारो इंडिया के मुताबिक 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 21

इक्विटी शेयरों और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। आईपीओ से प्राप्त पूरी धन राशि कंपनी के बजाय सीधे कैरारो इंटरनेशनल एस ई को ही मिलेगी।

देश में 15 दिसंबर तक चीनी का उत्पादन 17 फीसदी घटकर 61.39 लाख टन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 15 दिसंबर 2024 तक 61.39 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। पिछले चीनी विपणन सत्र में इसी अवधि तक 74.05 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस तरह चीनी के उत्पादन में अब तक 17 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि, उत्पादन के आंकड़ों में चीनी का इथेनॉल निर्माण के लिए उपयोग की मात्रा शामिल नहीं है।

चीनी उद्योग के प्रमुख निकाय भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने जारी एक बयान में बताया कि महाराष्ट्र में चीनी के उत्पादन में आई गिरावट के कारण अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन सत्र 2024-25 में 15 दिसंबर 2024 तक चीनी का उत्पादन 17 फीसदी घटकर 61.39 लाख टन रहा है। इस्मा के मुताबिक इस साल चालू कारखानों की संख्या 477 है, जबकि पिछले साल इसी तारीख को 496 चीनी मिलें चालू थीं। इस्मा के जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन 22.11 लाख टन से बढ़कर 23.04 लाख टन पर पहुंच गया है। हालांकि, महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 24.45 लाख टन

से घटकर 16.78 लाख टन रहा। वहीं, कर्नाटक में चीनी का उत्पादन 17.56 लाख टन से घटकर 13.85 लाख टन रह गया है। उद्योग निकाय इस्मा ने कहा कि ''इस साल चीनी का इथेनॉल के निर्माण में इस्तेमाल पिछले साल के 21.5 लाख टन के मुकाबले करीब 40 लाख टन ज्यादा रहने का अनुमान है।''

इस्मा ने कहा कि इस साल कर्नाटक में चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में करीब 7-12 दिन देरी से शुरू हुईं, जबकि एक अन्य प्रमुख राज्य महाराष्ट्र में चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में 15-20 दिन देरी से चालू हुईं। हालांकि, इन प्रमुख राज्यों में देरी से पेराई शुरू होने के बावजूद चालू मिलों की संख्या और संबंधित पेराई दर में तेजी से वृद्धि हो रही है।

आय फाइनेंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित एमएसएमई ऋणदाता कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के माध्यम से 1,450 करोड़ रुपये जुटाने की है।

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने 1,450 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए अपना डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के 02 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले प्रस?तावित इस आईपीओ में 885 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारकों द्वारा 565 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में भाग लेने वालों में मुख?य रूप से एलजीटी कैपिटल, कैपिटलजी एलपी, ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और अल्फा वेव वेंचर्स जैसे प्रमुख निवेशक शामिल

हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 में 43.9 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2024 में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में 291.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करते हुए 171.7 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। आया फाइनेंस का शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 0.9 फीसदी और प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 72 फीसदी है, जो अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम स्थित आय फाइनेंस लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। यह कंपनी पूरे भारत में सूक्ष्म-स्तरीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण प्रदान करने पर केंद्रित है। यह कंपनी इस क्षेत्र में देश की बढ़ती हुई ऋण मांग का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

टॉस द कॉइन और जंगल कैंप्स इंडिया की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत की। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई। इनमें से टॉस द कॉइन के शेयर खरीददारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। जंगल कैंप्स इंडिया के शेयर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण गिरावट का शिकार होकर लोअर सर्किट पर पहुंच गए। मार्केटिंग कंसल्टिंग फर्म टॉस द कॉइन के शेयर की आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 182 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज कंपनी के शेयर 345.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से टॉस द कॉइन के शेयर उछल कर 363.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया है। टॉस द कॉइन का 9.17 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलने के कारण ये ओवरऑल 1,025.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था?। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 964.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,550.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर आयकर विभाग ने चलाया अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए अभियान चलाया है। आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर टैक्सपेयर्स और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा जा रहा है।आयकर विभाग ये एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेज रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में लेनदेन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्त वर्ष 2023-24 और वित?त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में रिपोर्ट की गई आय और लेन-देन

तथा आयकर रिटर्न में इनकम और लेन-देन के बीच अंतर को हल करने में करदाताओं की सहायता के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसके जरिए उन व्यक्तियों को भी चिन्हित किया गया है, जिनकी कर योग्य इनकम या महत्वपूर्ण उच्च-मूल्य लेन-देन उनके एआईएस में रिपोर्ट किए गए हैं, लेकिन उन्होंने संबंधित वित्त वर्ष के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया है। सीबीडीटी ने कहा कि ये पहल ई-सत्यापन योजना, 2021 के कार्यान्वयन का हिस्सा है। इस अभियान के तहत उन मामलों में करदाताओं और आयकर रिटर्न जमा नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनात्मक संदेश भेजे गए हैं, जहां वार्षिक सूचना विवरण में लेन-देन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर की सूचना के बीच अंतर है। सीबीडीटी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य उन करदाताओं को इसके बारे में याद दिलाना और उनका मार्गदर्शन करना है। इससे वे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संशोधित आईटीआर दाखिल कर सकेंगे, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। वित्त वर्ष 2021-22 से संबंधित मामलों के लिए करदाता 31 मार्च, 2025 की समय-सीमा तक अद्यतन आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। सीबीडीटी ने पिछले महीने एक अभियान शुरू किया था। इसके तहत उन करदाताओं को संदेश भेजे गए थे जिन्होंने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने आईटीआर में उच्च मूल्य वाली विदेशी आय या संपत्ति का खुलासा नहीं किया है।

जेम के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने के लिए देहरादून में बूट कैंप आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने खरीद को बढ़ावा देने के लिए देहरादून के आईआरडीटी ऑडिटोरियम में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 'जीईएम विक्रेता संवाद 2024 उत्तराखंड' का आयोजन किया।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जेम के समावेशिता के मुख्य आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड के विक्रेताओं, उद्यमियों, एफपीओ आदि के सामने जेम पोर्टल को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों की पहचान करना और उनका समाधान करना था। इस संवाद कार्यक्रम में 60 से ज?यादा विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। मंत्रालय के मुताबिक इससे क्षेत्र के विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के बीच जागरुकता बढ़ाने तथा पोर्टल

को अपनाने में सहायता मिली। संवाद के दौरान हितधारकों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म की डिजिटल क्षमताओं, विशेषताओं और कार्यात्मकताओं की सूक्ष्म समझ प्रदान करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा विक्रेता यात्रा की प्रमुख उपलब्धियों पर गहन चर्चा की गई और सूचनात्मक प्रश्नोत्तर सत्रों के दौरान हितधारकों की कई समस्याओं का तुरंत समाधान किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि कार्यक्रम में त्वरित सहायता के लिए एक समर्पित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस इको-सिस्टम में नए विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को शामिल करने के लिए पंजीकरण अभियान भी चलाया गया। वर्तमान में उत्तराखंड के लगभग 20 हजार विक्रेता और सेवा प्रदाता गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। इनमें से 10,500 से अधिक एमएसई और 1900 से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम डेढ़ लाख से अधिक सरकारी खरीदारों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस का लाभ उठा रहे हैं। 11 दिसंबर, 2024 तक उत्तराखंड स्थित विक्रेताओं द्वारा देशभर में सरकारी खरीदारों के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर 8950 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए गए हैं। इस हिस्से का करीब 50 फीसदी हिस्सा राज्य के एमएसई द्वारा दिया जाता है। राज्य में अपनी पहुंच बढ़ाने और क्षमता निर्माण उपायों को बढ़ाने पर केंद्रित इस संवाद कार्यक्रम का प्रस्ताव आउटरीच बढ़ाने और क्षमता निर्माण उपायों को बढ़ाने के लिए रखा गया था। मुख्य खरीद अधिकारी (राज्य) एवी मुरलीधरन ने कहा कि इस तरह की पहल जागरुकता बढ़ाने और क्षेत्र के विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उपयोगी है।

भारत बनेगा विश्व की अक्षय ऊर्जा राजधानी : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि दुनिया की अक्षय ऊर्जा राजधानी भी बन रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 15 गीगावाट हो गई है। यह 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए कहा, भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ कर रहा है, उस पर न केवल दुनिया की निगाह है, बल्कि कई देशों ने इसे अपनाया भी है। उन्होंने भारत की पहल के तहत वैश्विक सहयोग के

लिए एक औपचारिक व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिस पर 120 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं।

इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय ऊर्जा परिवर्तन पर वैश्विक संवाद, विकसित हो रहे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

उद्योग प्रशिक्षण के लिए एआईसीटीई और सीआईआई ने की साझेदारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कौशल विकास पर 11वें सीआईआई वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया। इस सहयोग का उद्देश्य सभी एआईसीटीई अनुमोदित तकनीकी संस्थानों में वर्तमान और भविष्य में उद्योग जगत की जरूरतों पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना है। इस दौरान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के अध्यक्ष अतुल कुमार तिवारी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप उच्चायुक्त निकोलस मैककैफ्रे, सीआईआई राष्ट्रीय कौशल विकास और आजीविका समिति के अध्यक्ष, सीआईआई विमानन समिति, आकासा एयरलाइंस के सह-संस्थापक और बोर्ड सदस्य, होमेज के संस्थापक व निरंतर सेवा की केंद्रीय क्षमता टीम के अध्यक्ष आदित्य घोष समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रो. टी.जी. सीताराम ने भारत के विकास को गति देने के लिए कौशल विकास को एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि हम अपने अद्वितीय जनसांख्यिकीय परिस्थिति का लाभ उठाने के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू कर रहे हैं।

चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार में कोहराम, बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली और हेवीवेट शेयरों में आई कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवालों ने दबाव बढ़ा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.30 प्रतिशत और निफ्टी 1.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज के कारोबार में सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, मेटल, ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर में दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 5 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 455.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.06 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.98 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,107 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,576 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,441 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 90 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,521 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 794 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,727 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से सिर्फ 1 शेयर हरे निशान में और 49 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.76 अंक की कमजोरी के साथ 81,511.81 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,613.64 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 1,136.37 अंक टूट कर 80,612.20 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी 5 मिनट के कारोबार में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 70 अंक की रिकवरी करके 1,064.12 अंक की गिरावट के साथ 80,684.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 83.45 अंक की कमजोरी के साथ 24,584.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,624.10 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 364.80 अंक की गिरावट के साथ 24,303.45 अंक तक लुढ़क गया।

मां बनने के बाद काम पर लौटीं

राधिका आप्टे

बेबी को ब्रेस्टफीड करते हुए की मीटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने हाल ही में एक नन्ही परी को जन्म दिया है। उन्होंने अपने बेबी की तस्वीर भी अपने फैंस के साथ शेयर की है। राधिका ने बेटी को जन्म देने के एक हफ्ते बाद अपने फैंस के साथ तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें गुडन्यूज दी है। राधिका आप्टे बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती नजर आईं थीं। राधिका के बेबी बंप को देख उनके फैंस हैरान रह गए थे। अब राधिका ने अपने बेबी की पहली झनक दिखाई है।

राधिका ने शेयर की अपने बेबी की पहली तस्वीर

राधिका आप्टे ने अपनी नन्ही परी की जो तस्वीर शेयर की है उसमें वो बेटी को ब्रेस्टफीड कराती नजर आ रही हैं। बेटी के जन्म के एक हफ्ते बाद ही राधिका आप्टे काम पर लौट आई हैं। उन्होंने फोटो को शेयर करते हुए लिखा- जन्म के बाद पहली मीटिंग अपने एक सप्ताह के बच्चे के साथ। उन्होंने हैशटैग ब्रेस्टफीडिंग, मदर्स एट वर्क, इट्स अ गर्ल लिखा।

राधिका आप्टे को दोस्तों ने दी बधाई

राधिका आप्टे के इस पोस्ट पर फैंस और उनके दोस्तों ने कमेंट्स किए हैं। कोंकणा सेन शर्मा ने राधिका के पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें बधाई दी है। विजय वर्मा, दिव्येंदु शर्मा, राजीव मसंद, ईशा तलवार और जोया अख्तर जैसे कलाकारों ने भी राधिका को बधाई दी है।

साल 2012 में बेनेडिक्ट टेलर संग राधिका ने रचाई थी शादी

राधिका आप्टे ने साल 2012 में बेनेडिक्ट टेलर के साथ शादी रचाई थी। अब शादी के 12 साल राधिका एक बच्ची की मां बनी हैं। राधिका आप्टे के काम की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2005 में फिल्म वाह लाइफ हो तो ऐसी से से की थी। हालांकि, फिल्म में उनका रोल काफी छोटा था।

राजेश खन्ना के साथ ये दो फिल्म शूट करते वक्त प्रेग्नेंट थीं शर्मिला, बोलीं- हम साथ में...

शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना बॉलीवुड की आइकॉनिक जोड़ी मानी जाती है। शर्मिला और राजेश खन्ना ने कई फिल्मों में साथ काम किया। इनकी जोड़ी फैंस को खूब पसंद थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में शर्मिला टैगोर ने राजेश खन्ना के साथ अपनी ऑनस्क्रीन केमेस्ट्री को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना के साथ की गई दो आइकॉनिक फिल्मों के दौरान शर्मिला प्रेग्नेंट थीं। इसी के साथ उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना के साथ शूट करते वक्त उन्हें क्या दिक्कत होती थी।

दो आइकॉनिक फिल्मों के वक्त प्रेग्नेंट थीं शर्मिला टैगोर

द फ्री प्रेस जर्नल के साथ खास बातचीत में शर्मिला टैगोर ने बताया कि जब वो राजेश खन्ना के साथ फिल्म अराधना शूट कर रही थीं। उस वक्त वो प्रेग्नेंट थीं। वो तब सैफ अली खान को जन्म देने वाली थीं। उन्होंने कहा, काका और मैनें कई फिल्में साथ में की हैं। हम साथ में अच्छे से काम करते थे। अराधना के वक्त मैं सैफ के साथ प्रेग्नेंट थीं। वहीं, छोटी बहू के वक्त उनके पेट में सोहा अली खान थीं।

सेट पर टाइम से नहीं आते थे राजेश खन्ना

राजेश खन्ना के साथ काम करने पर शर्मिला टैगोर ने कहा, काका और मेरे बीच दो बड़ी समस्याएं थीं। वो सेट पर बहुत देरी से आते थे और कैमरे पर हमारी बेस्ट प्रोफाइल सेम ही थीं। तो हम जब भी एक फ्रेम होते थे तो कोशिश करते थे की कैमरामैन हमारी राइट प्रोफाइल शूट करे।

इन फिल्मों में राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर साथ आए नजर

राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर की फिल्म अराधना साल 1969 में रिलीज हुई थी। वहीं, फिल्म छोटी बहू साल 1971 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इसके अलावा राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर सफर (1970) और दाग (1973) जैसी फिल्मों में भी साथ नजर आए थे।

राजकुमार राव करने वाले थे यह खास किरदार, इसी फिल्म से बदली विकी कौशल की किस्मत

बॉलीवुड फिल्मों में कई बार चीजें इतनी नाटकीय ढंग से होती हैं कि असल कहानी भी फिल्मों के ट्विस्ट जैसी ही मालूम देती है। स्टार बन चुके एक्टर विकी कौशल की जिंदगी में इस तरह के ट्विस्ट कई बार आए हैं। कटरीना कैफ से शादी हो या फिर इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत, विकी कौशल ने एक-दो नहीं बल्कि कई बार वो ट्विस्ट देखे हैं। क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल की फिल्म %मसान% जिसने उन्हें पहली बार फेम दिलाया, वो असल में राजकुमार राव को मिलने वाली थी। फिल्म में संजय मिश्रा ने जो किरदार निभाया वो दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी करने वाले थे।

जब घूमा विकी की किस्मत का पहिया

कम लोग जानते हैं कि जिस फिल्म ने विकी कौशल की जिंदगी बदल दी, वो असल में राजकुमार राव करने वाले थे। बात इतनी आगे बढ़ चुकी थी कि मेकर्स ने उनके और मनोज बाजपेयी के साथ प्रोमो भी शूट कर लिया था। लेकिन फिर किस्मत का पहिया ऐसा घूमा कि चीजें बड़े जादुई ढंग से विकी कौशल के पक्ष में आनी शुरू हो गईं। विकी कौशल ने खुद यह किस्सा एक इंटरव्यू में बताया था कि कैसे वो फिल्म उन्हें आखिरी वक्त पर ऑडिशन के बाद मिली थी क्योंकि राजकुमार राव के साथ बात नहीं बन रही थी।

राजकुमार राव को मिलना था वह रोल

विकी कौशल ने अपने एक इंटरव्यू में बताया, तब इस फिल्म का नाम सांड़ सीड़ी सन्यासी था। विकी कौशल ने बताया कि बनारस को असल में इन चार-पांच चीजों के लिए ही जाना जाता है। बनारस में यह चीजें खूब मिलती हैं। राजकुमार राव ने वह रोल करने वाले थे जो मैंने किया था। संजय मिश्रा जी का रोल मनोज बाजपेयी जी करने वाले थे। उन्होंने राजकुमार राव को बुलाकर प्रोमो वीडियो भी शूट कर लिया था। मनोज सर के लिए उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर से लुक लेकर फिल्म में डालने की कोशिश की थी। कुछ-कुछ करके उन्होंने प्रोमो तैयार कर दिया था।

अक्टूबर में ही होनी थी फिल्म की शूटिंग

विकी कौशल ने बताया, हमें वो फिल्म अक्टूबर में ही शूट करनी थी जब वहां पर दुर्गा पूजा होती है। बजट इतना कम था कि हम वो माहौल खुद से नहीं बना पाते। अगर वो मिस कर जाते तो उन्हें एक साल और इंतजार करना पड़ता ताकि दुर्गा पूजा आए और फिर से हमें वही माहौल शूटिंग के लिए मिले। मुझे लगता है कि राजकुमार राव की डेट्स क्लैश कर रही थीं और बात बन नहीं रही थी। स्लॉट खाली था और वह अब एक नया एक्टर ढूंढ रहे थे। मैंने ऑडिशन दिया और बात बन गई। तो इस तरह जो फिल्म राजकुमार राव के हिस्से आनी थी, वो विकी कौशल को मिली और इस तरह उनके करियर की ब्रेक थ्रू फिल्म उन्हें मिली।

फॉर्मर प्रोटेस्ट के बीच

गुरु रंधावा

ने सरकार से अपील में किया ट्वीट, ट्रोल बोला- पैसे मिल गए या...?

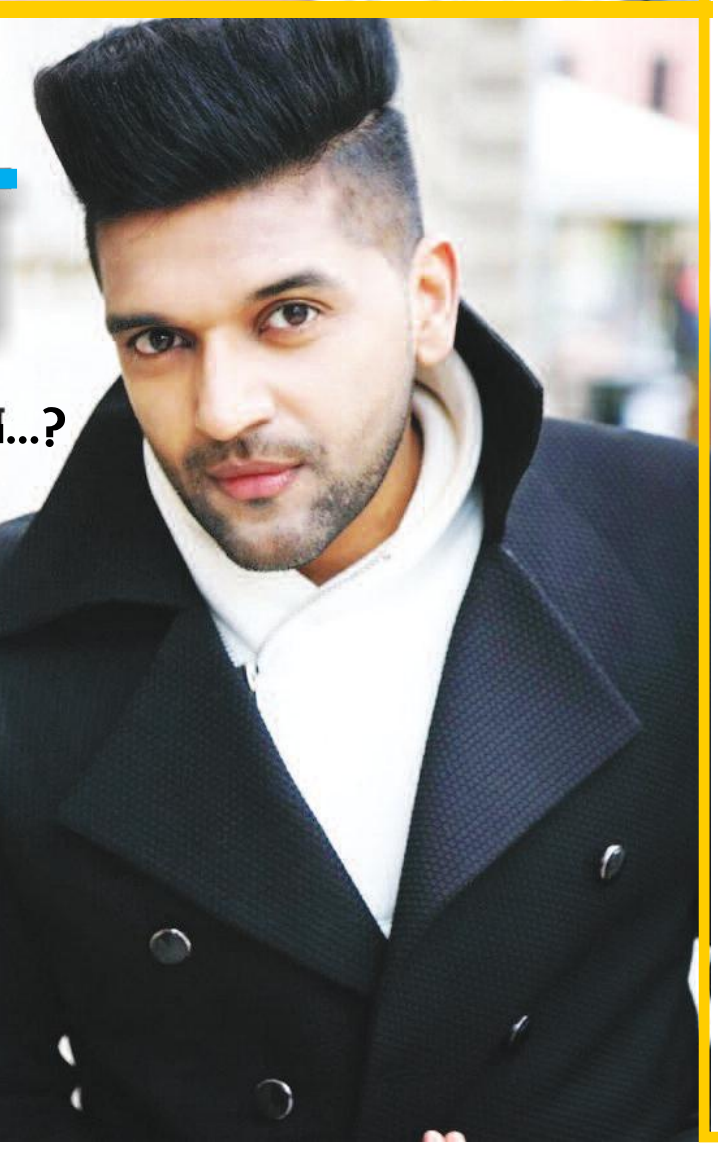

गुरु रंधावा शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हो रहे किसान प्रोटेस्ट पर कई ट्वीट्स कर चुके हैं। उनके एक ट्वीट पर शख्स ने ट्रोल करते हुए नेगेटिव कमेंट लिखा जिसका गुरु ने काफी शालीनता से जवाब दिया है। गुरु ने भारतीय सरकार से रिक्वेस्ट की है कि शांति से बैठकर एक बार किसानों की बात सुन लें। इस पर

कई तरह के कमेंट्स दिख रहे हैं।

गुरु ने किया था ये ट्वीट

गुरु रंधावा ने ट्वीट किया था, किसान हमारे देश के हर घर को खाना देते हैं। उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए। सरकार के अधिकारियों से दरख्वास्त करता हूं कि प्लीज किसानों के साथ बैठकर उनसे बात कर लें।

मैं किसान परिवार से हूं

गुरु के ट्वीट पर एक शख्स ने कमेंट किया है, पैसे मिल गए या धमकी? इस पर गुरु ने जवाब दिया है, मैं खुद किसान परिवार से हूं मेरे भाई, दोनों में से कुछ नहीं मिला।

सिर्फ रिक्वेस्ट कर रहा हूं एक भारतीय के नाते। खुश रहो। पता नहीं लग रहा है क्या हो रहा है हमारे देश में, कुछ भी लिखो नफरत तो मिलनी ही है। खुश रहो भाई।

किया ये भी पोस्ट

एक और पोस्ट में गुरु ने लिखा है, एक साथ होकर अपने देश को सपोर्ट करते हैं। मेरी मिट्टी, मेरा देश दुनिया का बेस्ट देश है।